मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 7 अंक 335
रविवार, 29 जून 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

अमित शाह का युवाओं से अपील, 2047 तक भारत को हर क्षेत्र में विश्व नेता बनाने का लें संकल्प

नई दिल्ली, 28 जून। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को युवाओं से 2047 तक भारत को हर क्षेत्र में विश्व गुरु बनाने का संकल्प लेने का आह्वान किया, जब भारत अपनी स्वतंत्रता की शताब्दी मनाएगा। उन्होंने भारत के स्वतंत्रता संग्राम में आदिवासी नेता गोविंद गुरु के योगदान को भी याद किया और कहा कि उन्होंने ब्रिटिश शासन के दौरान क्षेत्र के लोगों की अंतरात्मा को जगाया। शाह वीडियो लिंक के जरिए एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे, जहां गुजरात के पंचमहल जिले में गोधरा के पास विंजोल में श्री गोविंद गुरु विश्वविद्यालय के लिए 125 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का शुभारंभ किया गया।

गोविंद गुरु को भारत के स्वतंत्रता संग्राम का नायक बताते हुए शाह ने कहा, ₹अंग्रेजों के खिलाफ उस संघर्ष में करीब

1,512 आदिवासी भाई-बहन शहीद हुए और गुजरात में मानगढ़ भारत की आजादी की लड़ाई के इतिहास में एक महत्वपूर्ण स्थान बन गया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गोविंद गुरु की वीरता को आगे बढ़ाया है और 2047 तक भारत को एक महान राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया है।

शाह ने कहा, यह हम सभी के लिए महत्वपूर्ण बात है। हमारे युवाओं और बच्चों को एक ऐसा भारत बनाने का संकल्प लेना चाहिए, जहां देश अपनी स्वतंत्रता की शताब्दी मनाए जाने पर दुनिया में हर क्षेत्र में प्रथम स्थान प्राप्त करे।₹ केंद्रीय मंत्री ने कहा कि गोविंद गुरु विश्वविद्यालय की स्थापना का विचार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान सोचा था। शाह ने अपने संक्षिप्त आभासी संबोधन में कहा कि आज, यह पंचमहल (जिले) के इतिहास में एक बहुत ही महत्वपूर्ण दिन है। तत्कालीन गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में, पीएम नरेंद्रभाई ने गोविंद गुरु को समर्पित एक विश्वविद्यालय और स्मारक की कल्पना की थी जो देश भर के आदिवासियों के लिए प्रेरणा का स्थान बन सकता है।

प्रधानमंत्री मोदी ने आतंकवाद के खिलाफ अपना रुख दोहराया

नई दिल्ली, 28 जून। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को आतंकवाद के प्रति भारत की दृढ़ प्रतिक्रिया को रेखांकित किया और एक स्थायी एवं समृद्ध भारत के निर्माण के उद्देश्य से नौ प्रमुख संकल्पों पर प्रकाश डाला। नई दिल्ली के विज्ञान भवन में जैन आध्यात्मिक गुरु आचार्य विद्यानंद महाराज के शताब्दी समारोह को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा जो हमें चुनौती देगा... दर्शकों ने नारे लगाते हुए वाक्य पूरा किया। उन्होंने कहा कि मैंने आधा वाक्य भी नहीं कहा और आपने उसे पूरा कर दिया। जैन आध्यात्मिक नेता आचार्य प्रज्ञा सागर ने मोदी सरकार द्वारा अपने कार्यकाल के दौरान लिए गए निर्णयों की सराहना की, जिनमें अनुच्छेद 370 और अनुच्छेद 35 ए को निरस्त करना, केंद्र शासित प्रदेशों जम्मू और कश्मीर और लद्दाख की कार्टोग्राफिक सीमाओं

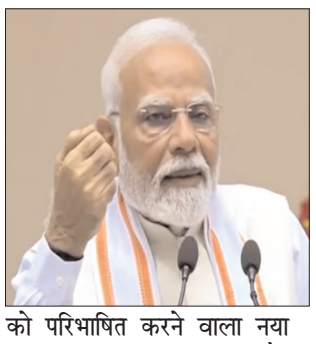

को परिभाषित करने वाला नया मानचित्र प्रकाशित करना और पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद 7 मई की सुबह भारत द्वारा शुरू किया गया ऑपरेशन सिंदूर शामिल है। इस हमले में 26 लोग मारे गए थे।

पीएम मोदी ने कहा कि शब्दों में न कहते हुए भी शायद आप ऑपरेशन सिंधु को अपना आशीर्वाद दे रहे थे। मोदी ने टिकाऊ और समृद्ध भारत के निर्माण के उद्देश्य से नौ प्रमुख संकल्पों को भी दोहराया, जिनमें शामिल हैं: जल संरक्षण, वृक्षारोपण, स्वच्छता को बढ़ावा देना, स्थानीय उद्यमों का समर्थन करना, देश की सांस्कृतिक समृद्धि का पता लगाने के लिए देश के भीतर यात्रा करना, जैविक खेती को प्रोत्साहित करना, स्वस्थ जीवन शैली अपनाना, योग और खेल को अपनाना तथा वंचितों को सहायता प्रदान करना। उन्होंने जैन दर्शन और समाज में आचार्य विद्यानंद महाराज के योगदान के लिए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की, जिसमें आधिकारिक जैन ध्वज और प्रतीक पर लेखन कार्य, भारत भर में प्राचीन जैन मंदिरों का जीर्णोद्धार और प्राकृत भाषा को बढ़ावा देना शामिल है। आचार्य विद्यानंद महाराज की शताब्दी 28 जून से 22 अप्रैल, 2026 तक मनाई जाएगी, जिसमें देश भर में सांस्कृतिक, साहित्यिक, शैक्षिक और आध्यात्मिक कार्यक्रमों की एक श्रृंखला आयोजित की जाएगी, जैसा कि केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय ने घोषणा की है।

जम्मू-कश्मीर को प्रमुख पर्यटन स्थल में बहाल करने के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी: अब्दुल्ला

कश्मीर, 28 जून। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शुक्रवार को राज्य को देश के प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में बहाल करने के लिए सामूहिक प्रयास करने का आह्वान किया। अब्दुल्ला ने कहा, जम्मू-कश्मीर को देश के प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में बहाल करना और उसे कायम रखना सरकार और पर्यटन हितधारकों का सामूहिक कर्तव्य है।

मुख्यमंत्री यहां शेर-ए-कश्मीर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन केंद्र (एसकेआईसीसी) में उद्योग मंडल फिक्की और जम्मू-कश्मीर पर्यटन विभाग द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित जम्मू-कश्मीर पर्यटन पुनरुद्धार वार्ता को संबोधित कर रहे थे।उन्होंने कहा, यह हमारा दायित्व है कि हम अपनी शक्ति के अनुसार हरसंभव प्रयास करें ताकि जम्मू-कश्मीर देश में प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में अपनी स्थिति में वापस आ सके और वैसा ही बना रहे।ह्व अब्दुल्ला ने कहा कि सरकार मुख्य रूप से समग्र पर्यटक अनुभव को बेहतर बनाने पर केंद्रित नई पहलों पर काम कर रही है।

सावन की तैयारियों का लिया जायजा, कांवड़ यात्रा मार्गों का निरीक्षण

•जिलाधिकारी और अपर पुलिस आयुक्त ने मार्कण्डेय महादेव मंदिर में व्यवस्थाओं का किया परीक्षण, दिए सख्त निर्देश

सुरेश गांधी

वाराणसी। श्रावण मास में शिवभक्तों की बढ़ती भीड़ और कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा व सुविधाओं को लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। इसी क्रम में जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार और अपर पुलिस आयुक्त शिवहरि मीणा ने शनिवार को मार्कण्डेय महादेव मंदिर और कांवड़ यात्रा के प्रमुख मार्गों का निरीक्षण किया। दोनों अधिकारियों ने मंदिर परिसर, घाट और मेला क्षेत्र का बारीकी से जायजा लिया और मौके पर मौजूद अधिकारियों को जरूरी दिशा-निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि मंदिर परिसर और कांवड़ मार्गों पर शिफ्टवार सफाई की मुकम्मल व्यवस्था रहे। डीपीआरओ को सफाई कर्मियों और सुपरवाइजरों की प्रभावी तैनाती के निर्देश दिए गए। महिलाओं की सुरक्षा के लिए मंदिर परिसर और प्रवेश द्वारों पर महिला पुलिस बल तैनात करने को कहा गया। मंदिर प्रबंधन समिति को भी अपने वालंटियर्स सक्रिय रखने का निर्देश दिया गया।

श्रद्धालुओं की सुगम आवाजाही के लिए जिगजैग बैरिकेडिंग सुनिश्चित करने, निमार्णाधीन सड़कों और खराब मार्गों पर समतलीकरण का कार्य

जल्द पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। घाट क्षेत्र में डीप वाटर बैरिकेटिंग, जीवन रक्षक जैकेट (श्रज्ल) की व्यवस्था, चेंजिंग रूम, मोबाइल टॉयलेट और पीने के पानी के टैंकर लगाने के भी आदेश दिए गए।

अधिकारियों ने होल्डिंग एरिया, समुचित पार्किंग, घाट जल पुलिस चौकी, और गोताखोरों की तैनाती सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही श्रद्धालुओं के जूते-चप्पल सुरक्षित रखने के लिए क्लॉक रूम / लॉकर रूम की व्यवस्था करने को कहा गया। भीड़ प्रबंधन के लिए अतिरिक्त मजिस्ट्रेटों की भी तैनाती होगी।

निरीक्षण के बाद अधिकारियों ने गेस्ट हाउस में बैठक कर रणनीति तैयार की और संबंधित विभागों को समयबद्ध कार्य पूरे करने की सख्त हिदायत दी। अधिकारियों ने स्वयं मार्कण्डेय महादेव के दर्शन-पूजन कर सावन मास में सफल, सुरक्षित और व्यवस्थित कांवड़ यात्रा की कामना की।निरीक्षण के दौरान डीसीपी प्रमोद कुमार, डीपीआरओ, एएमए जिला पंचायत, तहसीलदार, संबंधित क्षेत्र के लेखपाल व सचिव सहित कई अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।प्रयागराज-वाराणसी नेशनल हाईवे की बाईं लेन सावन के महीने में कांवड़ियों के लिए आरक्षित रहेगी। मगर, सर्विस लेन से गांव और कस्बों के संपर्क मार्ग जुड़े हुए हैं। इसके चलते तय किया गया है कि मिजार्मुराद थाना क्षेत्र के गुड़िया बॉर्डर से मोहनसराय होते हुए मंडुवाडीह थाना क्षेत्र के चांदपुर चौराहा तक हाईवे की बाईं लेन कांवड़ियों के लिए आरक्षित रहेगी।

बंगाल में लॉ एंड ऑर्डर पूरी तरह से ध्वस्त, कानून मंत्री ने ममता सरकार पर साधा निशाना

कोलकता, 28 जून। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कोलकाता गैंगरेप मामले को लेकर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की आलोचना की है। मेघवाल ने बनर्जी पर तुष्टिकरण की राजनीति करने का आरोप लगाया और कहा कि पश्चिम बंगाल में कानून-व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त हो गई है। भाजपा ने टीएमसी पर आरोप लगाते हुए कहा कि पुलिस मामले में तेजी से काम नहीं कर रही है। गैंगरेप की घटना के सिलसिले में चार गिरफ्तारियां की गई हैं।

राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) ने पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव को पत्र लिखकर दक्षिण कोलकाता में हुए सामूहिक

बलात्कार मामले में तत्काल कार्रवाई करने और आयोग के सदस्य और पीड़िता एवं उसके परिवार के बीच बैठक के लिए राज्य पुलिस से सहयोग मांगा है। एनसीडब्ल्यू की अध्यक्ष विजया रहाटकर ने इस घटना को गंभीर बताया और कहा कि इसने लोगों की अंतरात्मा को झकझोर दिया है। आयोग ने शुक्रवार को मामले का स्वतः संज्ञान लिया था। आयोग ने इस मामले में त्वरित कार्रवाई करने पर जोर दिया है। मुख्य सचिव को लिखे पत्र में रहाटकर ने निर्देश दिया कि राज्य पुलिस को एनसीडब्ल्यू सदस्य अर्चना मजूमदार के साथ पूरा सहयोग करना चाहिए, जिन्हें पीड़िता और उसके परिवार से मिलने के लिए नियुक्त किया गया है। साउथ कलकत्ता लॉ कॉलेज की प्रथम वर्ष की छात्रा ने पुलिस को दी शिकायत में आरोप लगाया कि 25 जून की शाम को संस्थान के एक पूर्व छात्र और दो वरिष्ठ छात्रों ने उससे सामूहिक दुष्कर्म किया। तीनों आरोपियों को बृहस्पतिवार को गिरफ्तार कर लिया गया और उसी दिन युवती की मेडिकल जांच भी कराई गई। छात्रा के गुप्तांगों और जांघों के पास बाहरी चोटों के निशान हैं, साथ ही उसकी गर्दन के आसपास चोट के निशान भी हैं। कोलकाता में लॉ कॉलेज की छात्रा से हुए सामूहिक दुष्कर्म के मामले में पुलिस को संदेह है कि मुख्य आरोपी ने विवाह का प्रस्ताव ठुकराए जाने के बाद अपने साथियों के साथ मिलकर इस वारदात को अंजाम दिया।

जम्मू कश्मीर के रामबन में ट्रक खाई में गिरने से दो लोगों की मौत

जम्मू। जम्मू कश्मीर के रामबन जिले में जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर शनिवार को एक ट्रक के सड़क से फिसलकर गहरी खाई में गिर जाने से दो लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि ट्रक जम्मू से श्रीनगर जा रहा था, तभी चालक ने वाहन पर से अपना नियंत्रण खो दिया और ट्रक नचिलाना क्षेत्र में एक गहरी खाई में गिर गया। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि ट्रक चालक और उसके सहायक की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस अधिकारी ने बताया कि शवों को चिकित्सकीय-कानूनी औपचारिकताओं के लिए बनिहाल स्थित उप-जिला अस्पताल भेज दिया गया है। चालक की पहचान उधमपुर निवासी राजू के रूप में हुई है। पुलिस घटना के कारणों की जांच कर रही है।

राजस्थान के बूंदी में तालाब में डूबने से दो लोगों की मौत

बूंदी। राजस्थान के बूंदी जिले में अलग-अलग घटनाओं में डूबने से दो लोगों की मौत हो गई और एक किशोर लापता हो गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि शनिवार सुबह पोस्टमार्टम के बाद दोनों शव उनके परिजनों को सौंप दिए गए। पहली घटना में शुक्रवार को बूंदी जिले के बरधा बांध के ऊपर एक पुलिया पार करते समय बारां जिले के अटरू थाना क्षेत्र के कुंजेड गांव के निवासी मोहित यदुवंशी (19), लक्ष्य मालव (22) और उसका भाई पानी के तेज बहाव में बह गए।

आर के मीडिया
हिन्दी दैनिक न्यूज पेपर, साप्ताहिक न्यूज पेपर, हिन्दी मासिक पत्रिका का पेज बनबाने के लिए
सम्पर्क करे: 9199355950

अरुणोदय सर्जिकल एण्ड ट्रामा सेन्टर
Arunodaya Surgical & Trauma Center

डा. अरूण आर. सिंह
कन्सल्टेन्ट लैप्रोस्कोपिक सर्जन
एस.एम.ओ.) एल.टी.एम.एम. जी. एच. (सायन हॉस्पिटल मुम्बई)
स.आर.) एम. जी.एम. मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल (नवी मुम्बई)
रजि.नं.-82945 (यू.पी.एम.सी.)

जनरल सर्जरी
स्त्री एवं प्रसूति रोग
आर्थोपेडिक (सर्जरी एवं परामर्श)
कीमोथिरैपी सुविधा उपलब्ध
न्यूरो सर्जरी (परामर्श एवं सर्जरी)
वेन्टिलेटर एवं डायलिसिस की सुविधा उपलब्ध
प्रशिक्षित डाक्टर स्टाफ तथा सभी मानकों पर खरा उतरने वाला जनपद का एक मात्र हास्पिटल
दूरबीन विधि द्वारा सभी प्रकार की सर्जरी
जनरल मेडिसिन, मधुमेह रोग
गुर्दा एवं मूत्र रोग (सर्जरी एवं परामर्श)
गैस्ट्रोइन्टरोलॉजी (इण्डोस्कोपी एवं कालोनोस्कोपी)
एक्सीडेण्टल एवं ट्रामा इमरजेन्सी सेवा 24 घण्टे उपलब्ध

डा0 पुनीत सिंह
M.S.M.C.H.
गुर्दा एवं मूत्र रोग विशेषज्ञ (यूरो सर्जन)
डा0 रवि प्रकाश सिंह
M.S. (Ortho)
हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ
डा0 प्रभात सिंह
M.D.(Medicine)
कंसल्टेंट फिजिशियन
डा0 सुमित कुमार सिंह
M.D.(Neuro Psychiatrist)
मानसिक रोग विशेषज्ञ

24/7 Emergency Services

बीमा कार्ड धारकों के लिए विशेष सुविधा उपलब्ध
Medi Assist STAR
आयुष्मान कार्ड द्वारा निःशुल्क इलाज की सुविधाएं
8090966086,8090015086
कलीचाबाद,जौनपुर

संविधान में समाजवाद-धर्मनिरपेक्षता की इंट्री इंदिरा की विरासत या साजिश

-संजय सक्सेना

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ यानी आरएसएस सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले के संविधान की प्रस्तावना में समाजवादी और धर्मनिरपेक्ष शब्दों पर दिए गए बयान को लेकर कांग्रेस ने आरएसएस पर निशाना क्या साधा, भारतीय राजनीति में भूचाल ही आ गया। कांग्रेस ने तुरंत आरोप लगा दिया कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और बीजेपी की सोच ही संविधान विरोधी है। कांग्रेस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, "ये बाबा साहेब के संविधान को खत्म करने की वो साजिश है, जो आरएसएस-बीजेपी हमेशा से रचती आई है"। इससे पहले दत्तात्रेय होसबोले ने एक कार्यक्रम में कहा था कि समाजवादी और धर्मनिरपेक्ष शब्दों को आपातकाल के दौरान संविधान की प्रस्तावना में शामिल किया गया था और इन्हें प्रस्तावना में रहना चाहिए या नहीं, इस पर विचार किया जाना चाहिए। होसबाले के इस बयान के बाद इंडी गठबंधन के धड़े और बीजेपी आमने-सामने आ गई है। कांग्रेस तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के इस बदलाव का बचाव करने के लिए इंदिरा की जगह बाबा साहब के पीछे छिपकर भाजपा और संघ नेताओं के खिलाफ हमलावर है, वहीं बीजेपी इसे कांग्रेस की सांप्रदायिक सोच बताकर उस पर हमलावर है।

गौरतलब हो, भारत का संविधान, जो 26 जनवरी 1950 को लागू हुआ, एक जीवंत और गतिशील दस्तावेज है। यह न केवल देश के शासन की नींव है, बल्कि समय के साथ समाज की बदलती जरूरतों को भी दशार्ता है। संविधान में समाजवाद और धर्मनिरपेक्षता जैसे शब्दों का समावेश एक ऐसी राजनीतिक घटना है, जो कथित तौर पर भारतीय लोकतंत्र की प्रगतिशीलता और दूरदर्शिता को रेखांकित करती है। इस हकीकत से इंकार नहीं किया जा सकता है कि संविधान की प्रस्तावना में समाजवाद और धर्मनिरपेक्षता की इंट्री न तो महात्मा गांधी, न ही बाबा साहब अंबेडकर की देन है, बल्कि इसकी बुनियाद भारत की पहली महिला प्रधानमंत्री, इंदिरा गांधी थी।

15 अगस्त 1947 को देश आजाद होने के बाद 26 जनवरी 1950 में जब संविधान लागू हुआ, तो यह भारत को एक संप्रभु, लोकतांत्रिक गणराज्य के रूप में स्थापित करने वाला दस्तावेज था। डॉ. अंबेडकर के नेतृत्व में संविधान सभा ने इसे एक ऐसा ढांचा दिया, जो समानता, स्वतंत्रता और न्याय के सिद्धांतों पर आधारित था। महात्मा गांधी के विचारों ने भी संविधान की भावना को प्रभावित किया, खासकर सामाजिक न्याय और अहिंसा के क्षेत्र में। हालांकि, प्रारंभिक संविधान में समाजवादी और धर्मनिरपेक्ष जैसे शब्द स्पष्ट रूप से शामिल नहीं थे। यह अनुपस्थिति न तो किसी कमी को दशार्ती थी, न ही किसी विचारधारा की अनदेखी को। यह उस समय की परिस्थितियों का परिणाम था, जब संविधान को एक व्यापक और लचीला दस्तावेज बनाने की जरूरत थी।

1966 में, जब इंदिरा गांधी भारत की प्रधानमंत्री बनीं, देश एक नाजुक दौर से गुजर रहा था। आजादी के बाद के दशकों में भारत ने आर्थिक और सामाजिक चुनौतियों का सामना किया। गरीबी, असमानता और सामाजिक भेदभाव जैसे मुद्दे देश के सामने थे। इंदिरा ने इन समस्याओं को देखा और महसूस किया कि भारत को एक ऐसी दिशा की जरूरत है, जो न केवल आर्थिक प्रगति सुनिश्चित करे, बल्कि सामाजिक न्याय और समानता को भी बढ़ावा दे। इसके साथ ही, भारत की बहुधार्मिक और बहुसांस्कृतिक पहचान को मजबूत करने की आवश्यकता थी, ताकि सभी धर्मों और समुदायों के बीच सामंजस्य बना रहे।

इंदिरा गांधी का नेतृत्व साहस और दूरदर्शिता से भरा था। उन्होंने गरीबी हटाओ जैसे नारे दिए, जो समाजवादी विचारधारा का प्रतीक बन गए। उनका मानना था कि भारत का विकास तभी संभव है, जब समाज के सबसे कमजोर वर्ग को मुख्यधारा में लाया जाए। लेकिन यह केवल नारों तक सीमित नहीं था। इंदिरा ने इसे संवैधानिक स्तर पर स्थापित करने का निर्णय लिया।

1976 में, इंदिरा गांधी के नेतृत्व में भारत के संविधान में 42वां संशोधन पारित हुआ। यह संशोधन भारतीय संविधान के इतिहास में सबसे व्यापक और महत्वपूर्ण संशोधनों में से एक था। इस संशोधन के माध्यम से संविधान की प्रस्तावना में दो महत्वपूर्ण शब्द जोड़े गए समाजवादी और धर्मनिरपेक्ष। इसके साथ ही, भारत को अब संप्रभु, समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष, लोकतांत्रिक गणराज्य के रूप में परिभाषित किया। समाजवादी शब्द का समावेश इंदिरा गांधी के उस दृष्टिकोण को दशार्ता था, जिसमें आर्थिक और सामाजिक समानता सर्वोपरि थी। यह समाजवाद मार्क्सवादी या साम्यवादी विचारधारा से अलग था। यह भारतीय संदर्भ में समाजवाद था, जो लोकतंत्र के साथ सामंजस्य बिठाता था। इसका उद्देश्य था कि संसाधनों का वितरण इस तरह हो कि समाज का हर वर्ग, विशेष रूप से गरीब और वंचित, इसका लाभ उठा सके। इंदिरा के नेतृत्व में बैंकों का राष्ट्रीयकरण, जमींदारी उन्मूलन और ग्रामीण विकास योजनाएं इस समाजवादी दृष्टिकोण का हिस्सा थीं। संविधान में इस शब्द को जोड़कर उन्होंने इसे एक स्थायी और संवैधानिक आधार दिया।

विरोध की जड़ें कई स्तरों पर हैं। कुछ लोग मानते हैं कि बाबा साहब ने संविधान बनाते समय समाजवाद और धर्मनिरपेक्षता को स्पष्ट रूप से प्रस्तावना में शामिल नहीं किया, क्योंकि वे चाहते थे कि संविधान तटस्थ रहे। उनके लिए संविधान सामाजिक और आर्थिक बदलाव का उपकरण था, न कि किसी विचारधारा का प्रचारक। आलोचकों का कहना है कि इंदिरा गांधी ने इन शब्दों को जोड़कर अपनी सरकार की समाजवादी नीतियों को संवैधानिक समर्थन देने की कोशिश की, जो आपातकाल जैसे अलोकतांत्रिक कदमों के साथ विरोधाभासी थी।

धर्मनिरपेक्षता को लेकर भी सवाल उठे। भारत में धर्मनिरपेक्षता का मतलब "सर्वधर्म समभाव" रहा है, लेकिन कुछ लोग इसे पश्चिमी "सेक्युलरिज्म" से जोड़कर देखते हैं, जो धर्म को सार्वजनिक जीवन से अलग करता है। हिंदू राष्ट्रवादी समूहों का मानना है कि यह शब्द बहुसंख्यक हिंदू संस्कृति को कमजोर करता है। दूसरी ओर, अल्पसंख्यक समुदाय इसे अपनी सुरक्षा का आधार मानते हैं। इस तरह, धर्मनिरपेक्षता एक ध्रुवीकृत मुद्दा बन गया।

समाजवाद पर भी बहस जारी है। कुछ लोग इसे आर्थिक सुधारों के खिलाफ मानते हैं, जो 1991 में शुरू हुए। वे कहते हैं कि समाजवाद का शब्द अब प्रासंगिक नहीं, क्योंकि भारत ने बाजार अर्थव्यवस्था को अपनाया है। दूसरी ओर, समाजवादी विचारकों का कहना है कि यह शब्द संविधान को सामाजिक न्याय का दिशा-निर्देश देता है। आज, जब लोग इन शब्दों का विरोध करते हैं, तो वे इंदिरा गांधी की मंशा पर सवाल उठाते हैं। क्या यह वास्तव में देशहित में था या सत्ता को मजबूत करने की रणनीति? बाबा साहब का संविधान समावेशी था, लेकिन क्या इन शब्दों ने उसकी मूल भावना को बदला? यह बहस भारत के भविष्य को भी प्रभावित करती है, क्योंकि यह तय करती है कि हमारा संविधान किस विचारधारा को अपनाएगा। धर्मनिरपेक्षता एक ता का आधार धर्मनिरपेक्ष शब्द का समावेश भारत की बहुधार्मिक और बहुसांस्कृतिक पहचान को मजबूत करने का एक प्रयास था। भारत में धर्मनिरपेक्षता का अर्थ है कि राज्य किसी भी धर्म को विशेष दर्जा नहीं देता और सभी धर्मों के प्रति समान व्यवहार करता है। यह शब्द संविधान में जोड़कर इंदिरा ने यह सुनिश्चित किया कि भारत की एकता और अखंडता को कोई धार्मिक या सांप्रदायिक शक्ति कमजोर न कर सके। यह विशेष रूप से उस समय महत्वपूर्ण था, जब सामाजिक और सांप्रदायिक तनाव देश के लिए चुनौती बन रहे थे। 42वां संशोधन और इंदिरा गांधी के इस कदम की आलोचना भी हुई। कुछ लोगों का मानना था कि यह संशोधन आपातकाल के दौरान लागू किया गया, जो लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ था।

यदि आपातकाल नहीं लगा होता तो क्या 1977 में जनता पार्टी बनती?

अशोक भाटिया

यह कहना मुश्किल है कि आपातकाल नहीं होता तो 1977 में जनता पार्टी बनती या नहीं। हालांकि, आपातकाल ने विपक्षी दलों को एकजुट होने और 1977 के चुनावों में एक मजबूत गठबंधन बनाने के लिए प्रेरित किया। आपातकाल के दौरान, विपक्षी दलों ने मिलकर काम किया और एक मजबूत गठबंधन बनाया, जिसे जनता पार्टी कहा गया। इस गठबंधन ने 1977 के चुनावों में कांग्रेस पार्टी को हराया और केंद्र में सरकार बनाई। अगर आपातकाल नहीं होता, तो विपक्षी दलों के लिए एकजुट होना और एक मजबूत गठबंधन बनाना शायद मुश्किल होता। यह संभव है कि 1977 के चुनावों में कांग्रेस पार्टी को हराना और भी मुश्किल होता। लेकिन यह भी संभव है कि विपक्षी दल किसी अन्य तरीके से एकजुट हो जाते और 1977 के चुनावों में कांग्रेस पार्टी को हरा देते। आपातकाल ने विपक्षी दलों को एकजुट होने के लिए एक मजबूत कारण दिया, लेकिन यह एकमात्र कारण नहीं था। संक्षेप में: आपातकाल ने 1977 में जनता पार्टी के गठन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, लेकिन यह कहना मुश्किल है कि अगर आपातकाल नहीं होता तो जनता पार्टी बनती या नहीं।

वैसे इतिहास को देखा जाय तो जवाहरलाल नेहरू के समय में गैर-कांग्रेसी दलों को एक साथ लाने, कांग्रेस प्रणाली को उखाड़ फेंकने और एक नई सरकार लाने के लिए कई अपीलें की गईं थी । 25 जून, 1975 को आपातकाल की घोषणा के बाद ही गैर-कांग्रेसी दलों को एहसास हुआ कि इसे अनदेखा करने का समय आ गया है। इन सभी दलों ने फिर से जी-जान से लड़ाई लड़ी। आखिरकार, 24 मार्च, 1977 को लोकसभा चुनाव के परिणामों के बाद, गैर-कांग्रेसी पार्टी की सरकार बनी। 1975 में इंदिरा गांधी द्वारा लगाए गए आपातकाल की 50 वीं वर्षगांठ मनाते हुए, सत्तारूढ़ पार्टी ने 25 जून को 'संविधान हत्या दिवस' के रूप में नामित किया।

हत्याकांड के बाद कोई जान नहीं बची है- तो फिर 24 मार्च 1977 को 25 जून 1975 की तरह याद रखना जरूरी है , ताकि कोई यह सवाल न करे कि हमारा देश संविधान की कला का पालन कर रहा है या नहीं। गृह मंत्री अमित शाह के नवीनतम बयान के मद्देनजर कि आपातकाल की यादों को जीवित रखा जाना चाहिए ताकि देश पर कोई तानाशाही विचार न थोपा जाए, केंद्र में सत्तारूढ़ दल इस संबंध में पहल करेगा। लेकिन सवाल केवल यह नहीं है कि सत्तारूढ़ दल को किस दिन मनाना चाहिए। लोहिया को गुमनामी में धकेल दिया गया है।

अब बात आती है कि आपातकाल झेल चुका विपक्ष से बनी जनता पार्टी क्यों टूटी, इस सवाल के सामने सौ जवाब तैयार हैं, तो ऐसा भी नहीं है। असली सवाल यह है कि आपातकाल के अनुभव के बाद भी लोकतंत्र की प्रगति कैसे हुई है। अगर ऐसा हुआ होता, तो हम आपातकाल के 21 महीने इस विश्वास के साथ भूल जाते कि 'जो हुआ, अब हम संघर्ष कर रहे हैं - सत्तावादी विचार कभी नहीं थोपे जाएंगे'। अगर हम कोविड काल भूल जाते, तो हम आपातकाल को भूल जाते। हम आपातकाल को क्यों भूल जाते। ऐसा क्यों नहीं हुआ होता? हमें जवाब ढूंढना होगा।इन उत्तरों के कड़वे होने का प्राथमिक कारण 24 मार्च, 1977 के तुरंत बाद 1980 के चुनावों में इंदिरा गांधी की जीत है। भारतीय मतदाताओं ने उसी नेतृत्व को एक और मौका दिया जिसने आपातकाल लगाया, लोकतंत्र को खत्म किया या, जैसा कि सत्तारूढ़ दल ने कहा, संविधान ही। यदि सत्तारूढ़ दल को फिर से बहुमत मिलता है, तो चुनाव में धांधली पर आपत्तियों की गुंजाइश कम है। आपातकाल से पहले इंदिरा गांधी का 1974 का चुनाव। 1980 में सत्ता न होने के बावजूद इंदिरा गांधी की पार्टी ने बहुमत हासिल किया, भले ही वह सत्ता में नहीं थे, अपनी कुर्सी बचाने के लिए कि उन्होंने संविधान के अनुच्छेद 352 के तहत आपातकाल की स्थिति घोषित कर दी थी।

इसने भारतीय लोकतंत्र के नेतृत्व-केंद्रित दृष्टिकोण को दिखाया। इंदिरा गांधी ने उस समय की उम्मीदों को तोड़ दिया कि नेतृत्व मजबूत, मजबूत आदि था। इंदिरा गांधी 'रेनकोट में स्नान' के स्तर के बिना भी अपनी कठोरता साबित करने में सक्षम थीं । इसे उस समय के मतदाताओं की गलती के रूप में नहीं लिया जा सकता है। यदि कोई दोष या दोष है, तो यह नेतृत्व-लगाव है और इसने नेहरू के समय से भारतीय लोकतंत्र को परेशान किया है। वास्तव में, एक नेतृत्व जो ₹एक झटके में₹ कुछ करता है और किसी को वश में नहीं करता है, वह भी भोला हो सकता है।

मतदाताओं के लिए यह जानने का क्षण राजीव गांधी के कार्यकाल के दौरान बहुत करीब था ... यह स्पष्ट था कि अदालत के फैसले के खिलाफ शाहरुख बानो जैसे कई लोगों को मुल्लाओं के चंगुल में वापस धकेलने का राजीव का कृत्य एक दिखावा था, लेकिन राजीव ने अयोध्या में ताला खोलकर समय बर्बाद किया और फिर विपक्ष को उन्हें हटाने के लिए बोफोर्स भ्रष्टाचार के आरोपों का पदार्फाश करना पड़ा। 'स्वच्छता' का स्वप्निल आकर्षण यहां भारतीय लोकतंत्र में प्रवेश करने वाली दूसरी बड़ी खामी साबित हुआ। तीसरा दोष 'विकास' की गाजर को भूल जाना और जिसे भी सहज महसूस हो, उसे सत्ता सौंप देना। यह देखने में भले ही नया लगता हो, लेकिन इसकी जड़ें इंदिरा गांधी के '20 सूत्री कार्यक्रम' से टकराती हैं.

मैं देश का औद्योगिक उत्पादन बढ़ाऊंगा, सिंचाई का समुचित उपयोग करके कृषि उत्पादन बढ़ाऊंगा, गरीबों के लिए पक्के घर बनाऊंगा और उसमें भी दलितों को प्राथमिकता दूंगा... इंदिरा गांधी ने गाजर दिखाया कि मैं यह सब करूंगी, इसलिए मुझे सत्ता में बनाए रखें। वह यह धारणा बनाती रहीं कि उन्होंने यह सब 'किया' है। परिणामस्वरूप, इंदिरा गांधी की कांग्रेस 1977 के चुनावों में 34.52% वोट और 154 सीटें बरकरार रखने में सक्षम थी। इंदिरा गांधी ने राजनीति विज्ञान में 'लोकलुभावनवाद' - लोकलुभावनवाद - की नींव इतनी मजबूती से स्थापित की कि विपक्ष भी 'इंडिया शाइनिंग' था। हमें अच्छे दिन, सबका विकास, अमृतकाल आदि का सहारा लेना पड़ा।

ऐसे लोकतंत्र में अटल बिहारी वाजपेयी जैसे अपेक्षाकृत सहिष्णु, काव्यात्मक और महान नेता का उदय आशाजनक है, लेकिन अयोध्या कांड ने इस नेतृत्व पर भारी असर डाला है। वाजपेयी के कार्यकाल के दौरान ही 2002 के गुजरात मॉडल के परिणाम तुरंत सामने नहीं आए। इस बीच, कांग्रेस दस साल तक सत्ता में रही। आपातकाल में संजय गांधी को सत्ता से बाहर का केंद्र माना जाता था। सोनिया गांधी के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय सलाहकार परिषद ने नीतियों को एक अलग , उपयोगी, शैली में आगे बढ़ाने का बेहतर काम किया, लेकिन सत्ता से बाहर।

जब तक सम्मेलन लोगों को शिक्षा का अधिकार, रोजगार का अधिकार आदि दे रहा था, तब तक गुजरात की प्रयोगशाला के घोड़े गंगा में नहाए हुए थे। इन प्रयोगों के राष्ट्रीय सफलता बनने के बाद हमने पिछले 11 साल देखे हैं। कई लोग इस अवधि को 'अघोषित आपातकाल' कहना पसंद करते हैं और उनके पास ईडी से लेकर पीएम केयर्स फंड तक कई संस्थानों का दुरुपयोग है, पीएम केयर्स फंड की संदिग्ध गोपनीयता।'एक अकेला सबपे भारी' जैसे बयानों का, अभिव्यक्ति के क्षरण का... ऐसे कई उदाहरण हैं। फिर भी अगर लोग आलोचकों की 'अघोषित आपातकाल' की बात से सहमत नहीं हैं तो राजनीति विज्ञानी आज असमंजस में नजर आ रहे हैं कि क्या इसे हमारे लोकतंत्र में एक नया दोष माना जाए और इससे बाहर निकलने के लिए राजनीति विज्ञानियों को न केवल नेताओं पर बल्कि नेताओं को स्वीकार करने वाले लोगों पर भी नजर डालनी होगी।

एक मजबूत और आदर्श संविधान होने के बावजूद, लोगों के बीच यह धारणा कि हम अपने लोकतंत्र में दिखाई देने वाली कमियों के लिए जिम्मेदार नहीं हैं - वास्तव में, यह हमारी जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि समग्र रूप से 'उनकी' है - आज लोगों में दृढ़ता से पैदा हो गई है। यह ऐसा कुछ भी हो सकता है। सूत्र 'हम अधिक प्रतिभाशाली हैं क्योंकि वे अधिक प्रतिभाशाली हैं' इस मामले में बहुत उपयोगी है। इसी सूत्र के कारण जो हमें बहुत सुकून देता है कि हम 'उन' जैसे नहीं हैं, कि पिछले 47 वर्षों में आपातकाल नहीं होने के बावजूद उन्हें पिछले 11 वर्षों से हर साल नए उत्साह के साथ याद किया जाता रहा है।

कैलाश मानसरोवर यात्राः जहां समय थम जाता और स्वर्ग मुस्कुराता है

-सुरेश गांधी

हिमालय की गोद में बसा कैलाश पर्वत न केवल भूगोल की दृष्टि से एक अद्भुत स्थल है, बल्कि आध्यात्मिक दृष्टि से भी यह सम्पूर्ण सृष्टि का केंद्र माना जाता है। यह वह जगह है जहां हिमालय की गोद में बसा है परमधाम और वास करते हैं स्वयं महादेव. बर्फ की चादर ओढ़े कैलाश पर्वत शिव के धाम का न सिर्फ प्रतीक है, बल्कि लास्मान सुरोवर में झलकता है महादेव के दिव्य दर्शन का सौभाग्य. यहां की ठंडी हवाओं में, बर्फ की चादरों में, और हर हिमखंड में शिव का ही आभास होता है। जी हां, कुबेर की नगरी, भगवान शिव का निवास, बौद्ध, जैन और सिख धर्म मानने वालों के लिए आस्था का केंद्र, वैज्ञानिकों के लिए रहस्य तो वेदों, पुराणों और लोककथाओं में अनगिनत कहानियां समेटे हुए है कैलाश मानसरोवर. कैलाश मानसरोवर भारत और तिब्बत की सीमा पर स्थित एक पवित्र स्थल है. इसे हिन्दू धर्म, बौद्ध धर्म, जैन धर्म और सिख धर्म में काफी अहम माना गया है. कैलाश पर्वत और मानसरोवर झील का विशेष धार्मिक, ऐतिहासिक, और भौगोलिक महत्व है. हिन्दू धर्म में कैलाश पर्वत भगवान शिव का घर माना जाता है. मान्यता है कि शिवजी, पार्वती अपने दो पुत्र, गणेश और कार्तिकेय के साथ कैलाश पर्वत पर ही निवास करते हैं. हिन्दू मान्यता के अनुसार, कैलाश पर्वत के दर्शन और मानसरोवर झील में स्नान करने से सभी पाप समाप्त हो जाते हैं और मोक्ष की प्राप्ति होती है.

पौराणिक कथानुसार कहा जाता है की ये जगह कुबेर की नगरी है. यहीं से भगवान विष्णु के चरण कमलों से निकलकर गंगा नदी कैलाश पर्वत की चोटी पर विकराल वेग के साथ गिरती है, जहां भगवान शिव उन्हें अपनी जटाओं में धारण कर लेते हैं और धरती में निर्मल धारा के रूप में प्रवाहित कर देते हैं. बौद्ध धर्म में कैलाश पर्वत को एक पवित्र स्थल के रूप में पूजा जाता है. इसे कांगरीनबो कहा जाता है और यहां बौद्ध धर्म के अनुयायी ध्यान और साधना के लिए आते हैं. बौद्ध परंपरा में इसे बोधिसत्त्व के स्थान के रूप में माना जाता है. कैलाश पर्वत को बौद्ध धर्म में एक विशेष स्थान प्राप्त है. इसे बौद्धों द्वारा ओम मणि पद्मे हूं मंत्र का केंद्र भी माना जाता है, जो करुणा और ज्ञान का प्रतीक है. जैन धर्म में भी कैलाश पर्वत को विशेष स्थान प्राप्त है. यहां पर भगवान ऋषभदेव के तप करने की मान्यता है. सिख धर्म में कैलाश पर्वत का उल्लेख भी मिलता है. कहा जाता है कि गुरु नानक देव ने यहां की यात्रा की थी. मानसरोवर झील को हिन्दू धर्म में पवित्र माना जाता है. इसे स्वर्ग की झील भी कहा जाता है. कहते है जो भी व्यक्ति मानसरोवर झील की धरती को छू लेता है, वह ब्रह्मा के बनाए हुए स्वर्ग में पहुंच जाता है. मानसरोवर में पांडवों के जाने का उल्लेख भी पुराणों में मिलता है. खास यह है कि शरीर त्यागने के बाद माता सीता मानसरोवर के रास्ते से ही स्वर्ग लोक गई थी. भगवान शिव की कृपा के कारण ही सरोवर का जलस्तर हमेशा एक समान रहता है. मान्यता है कि कैलाश पर्वत के रास्ते 33 कोटि देवी देवता आते हैं और सरोवर में स्नान करते हैं.

वैज्ञानिकों के अनुसार, यह स्थान धरती का केंद्र है. धरती के एक ओर उत्तरी ध्रुव है, तो दूसरी ओर दक्षिणी ध्रुव. दोनों के बीचोबीच है कैलाश पर्वत. कहा जाता है कि आजतक कोई भी कैलाश पर्वत पर नहीं चढ़ सका है. दुनिया की सबसे ऊंची चोटियों पर पर्वतारोहियों ने परचम लहराया है. लेकिन कैलाश पर कोई भी नहीं चढ़ सका है. कई लोगों ने दावा किया है कि जब भी इसपर चढ़ने की कोशिश की गई तब-तब तेजी से लोगों के शरीर में बदलाव होते हैं. कैलाश पर्वत की ऊँचाई लगभग 22,000 फीट (6,638 मीटर) है। यह पर्वत विश्व की चार प्रमुख नदियों सिंधु, ब्रह्मपुत्र, सतलज और करनाली का उद्गम स्थल भी है। कैलाश पर्वत की विशेषता यह है कि इस पर किसी ने अब तक चढ़ाई नहीं की। इसे मानव स्पर्श से परे, एक दिव्य, अलौकिक स्थान माना जाता है। कहते है भगवान शिव यहां अपने दिव्य ध्यान में लीन रहते हैं। कैलाश के निकट स्थित लास्मान सुरोवर (जिसे मानसरोवर झील भी कहा जाता है) को अत्यंत पवित्र और मोक्षदायिनी माना जाता है। मान्यता है कि इसके जल में स्नान करने मात्र से जन्म-जन्मांतर के पाप धुल जाते हैं और आत्मा पावन हो जाती है। इस झील की खासियत है कि यह अपनी निर्मलता, शांति और दिव्यता के लिए प्रसिद्ध है। मानसरोवर का जल इतना स्वच्छ होता है कि इसमें कैलाश पर्वत की छवि स्पष्ट दिखती है।

कठिन लेकिन दिव्य यात्रा

कैलाश मानसरोवर की यात्रा अत्यंत कठिन मानी जाती है। ऊँचाई, ऑक्सीजन की कमी, तीव्र ठंड और दुर्गम रास्ते यात्रियों की परीक्षा लेते हैं। लेकिन हर कष्ट भी भक्तों के लिए आनंद का विषय बन जाता है क्योंकि इस यात्रा का हर कदम आत्मिक उन्नति की ओर बढ़ता है। भारत सरकार और चीन सरकार द्वारा संयुक्त रूप से संचालित इस यात्रा के दो प्रमुख मार्ग हैं. लिपुलेख दर्रा (उत्तराखंड) और नाथुला दर्रा (सिक्किम)। हालाँकि, तिब्बत की सीमा में प्रवेश के लिए चीन की अनुमति अनिवार्य होती है।

कैलाश परिक्रमा

कैलाश पर्वत की परिक्रमा (कोरला) अत्यंत पुण्यदायी मानी जाती है। यह लगभग 52 किमी की कठिन पदयात्रा है, जिसे भक्त तीन दिन में पूरा करते हैं। मान्यता है कि इस परिक्रमा को एक बार करने से हजारों जन्मों के पाप नष्ट हो जाते हैं। तिब्बती श्रद्धालु इसे दंडवत करते हुए परिक्रमा करते हैं, जिसे "प्रणिपात परिक्रमा" कहा जाता है।

वैज्ञानिक और रहस्यमयी दृष्टि

कैलाश पर्वत आज भी वैज्ञानिकों के लिए रहस्य बना हुआ है। इसकी संरचना एक पिरामिड की तरह है और यह दुनिया के अन्य पवित्र स्थलों जैसे जेरूसलम, पिरामिड ऑफ गिजा और स्टोनहेंज से एक रहस्यमयी रेखा में स्थित है। ऐसा कहा जाता है कि कैलाश पर्वत के चारों ओर प्राकृतिक चुंबकीय शक्ति का एक ऐसा केंद्र है, जो समय और आयु की गणना को प्रभावित करता है।

यात्रा का महत्व

कैलाश मानसरोवर केवल एक यात्रा नहीं है, यह जीवन की सबसे पवित्र आध्यात्मिक साधना है। यहां के बर्फीले वातावरण में जो दिव्यता है, वह किसी भी भक्त की आत्मा को झकझोर देती है। यहां आकर लगता है जैसे महादेव की सांसे स्वयं इस हिमालय की ठंडी हवाओं में घुली हुई हैं। लास्मान सुरोवर में स्वयं ब्रह्मा, विष्णु और महेश का तेज समाहित है। कैलाश बुलाता नहीं है, वह तभी दर्शन देता है जब स्वयं महादेव का आशीर्वाद हो। यह यात्रा कठिन जरूर है, लेकिन हर कदम आपको शिव के और करीब ले जाता है। यहां आकर लगता है जैसे हर बर्फ का कण, हर श्वास, हर धड़कन ॐ नमः शिवाय का जाप कर रही हो। झील में कैलाश पर्वत का प्रतिबिंब देखना सबसे शुभ क्षण माना जाता है।

यात्रा का मार्ग और प्रमुख पड़ाव

भारत से जाने के दो रास्तेः 1. लिपुलेख दर्रा (उत्तराखंड). 2. नाथुला दर्रा (सिक्किम). जबकि इसके प्रमुख पड़ावः धारचूला, लिपुलेख, ताकलाकोट, मानसरोवर, कैलाश, डेरापुक, डोलमा ला पास व झोंगदो है।

यात्रा की विशेषताएंः केवल चयनित यात्रियों को ही अनुमति मिलती है। हर साल सीमित संख्या में श्रद्धालु जा पाते हैं। भारत सरकार और चीन सरकार की अनुमति अनिवार्य। ऊँचाई और मौसम से जुड़ी कठिनाइयां, लेकिन अद्भुत अनुभूति।

भक्ति की अंतिम यात्रा

यह यात्रा केवल पैरों से नहीं, यह हृदय और श्रद्धा से तय होती है। यहां पहुंचना सौभाग्य है, क्योंकि कैलाश बुलाता नहीं है, कैलाश तभी दर्शन देता है जब स्वयं महादेव बुलाएं।

भक्तों की जुबानीः कैलाश बुलाता है, तभी रास्ता बनता है

आंखों में श्रद्धा, होठों पर ॐ नमः शिवाय जप करते जब श्रद्धालुओं से पूछा गया तो अपने अनुभव साझा करते हुए ललित वर्मा कहते है वहां हर सांस में महादेव बसे है. "मैंने सुना था कैलाश बुलाता है, लेकिन इस यात्रा में मैंने इसे महसूस किया। कड़ाके की ठंड, सांस लेने में तकलीफ, मगर महादेव का आशीर्वाद हर कदम पर महसूस होता था। जब मानसरोवर झील में स्नान किया तो लगा जैसे आत्मा भी शिवमय हो गई। शरीर थक जाता था, मगर मन दौड़ता रहता था शिव की ओर। इस यात्रा ने मुझे भीतर से बदल दिया। वाराणसी के राजेश यादव कहते है, हमारा जत्था मानसरोवर की ओर बढ़ रहा था। ऑक्सीजन कम थी, मौसम अचानक खराब हो जाता था। कुछ पल तो लगा शायद आगे नहीं जा सकेंगे। लेकिन फिर शिव नाम की शक्ति मिली। लास्मान सुरोवर के तट पर बैठकर जब शिव के पर्वत की छाया देखी तो आंखों से आंसू बह निकले। ऐसा शांति का अनुभव शायद किसी मंदिर में भी नहीं मिला। यह शिव के साक्षात दर्शन हैं। प्रयागराज की अर्चना तिवारी कहती है, कैलाश की परिक्रमा दुनिया की सबसे कठिन यात्राओं में मानी जाती है। पत्थरीले रास्ते, उंचाई, बर्फ और ऑक्सीजन की कमी, हर पल शरीर हार मानने को तैयार था, लेकिन मन कहता थाः "शिव हैं साथ, चलते रहो। डोलमा ला पास पर पहुंचते समय सचमुच लगा कि शिव ने कंधे पर हाथ रखा। वो पल मेरी जिन्दगी की सबसे बड़ी पूंजी बन गई है। गोरखपुर के बनवारी लाल कहते है, मैंने कई वर्षों तक कैलाश यात्रा के लिए आवेदन किया, लेकिन हर बार किसी न किसी वजह से रुकावट आ जाती थी। 5 साल बाद शुरू हो रहे इस यात्रा के लिए नाम स्वीकृत हो गया है। मैंने महसूस किया, शिव ने बुलाया है। जबकि उनके साथी शंकर दुबे, जो आठ साल पहले यात्रा कर आएं है का कहना है कि यात्रा कठिन थी, लेकिन असीम आनंद मिला। मानसरोवर झील में कैलाश का प्रतिबिंब देखकर मन में एक अद्भुत ऊर्जा दौड़ गई। ऐसा लगा जैसे शिव से प्रत्यक्ष बात कर रही हूं। जब पहली बार दूर से कैलाश पर्वत दिखा तो आंखें भर आईं। वह कोई सामान्य पहाड़ नहीं है, वह सचमुच दिव्य है। वहां की हवा, वहां का मौन, सब शिवमय है। मैंने जीवन में बहुत यात्राएं की हैं, लेकिन ऐसा शांति, ऐसा अद्भुत अहसास कहीं नहीं मिला। मैं लौटकर आया हूं लेकिन मेरा मन अब भी वहीं कैलाश की गोद में है।

पौराणिक मान्यताएं

रावण को हम प्रायः लंका का सम्राट, शिवभक्त, महान विद्वान और रामायण के खलनायक के रूप में जानते हैं, लेकिन रावण का संबंध केवल लंका और युद्ध तक सीमित नहीं था। भारतीय पौराणिक कथाओं में रावण से जुड़ी कई ऐसी कथाएं हैं, जो कम ज्ञात हैं, जिनमें सरयू नदी का विशेष स्थान भी उल्लेखनीय है। रावणः शिवभक्ति और विद्वत्ता का प्रतीक था. रावण न केवल एक महान योद्धा था, बल्कि वह परम शिव भक्त, उच्च कोटि का तंत्र साधक और प्रकांड पंडित भी था। कहा जाता है कि उसने शिव तांडव स्तोत्र की रचना स्वयं भगवान शिव को प्रसन्न करने के लिए की थी। उसकी तपस्या, भक्ति और विद्या में कोई संदेह नहीं, किंतु उसका अहंकार ही उसके पतन का कारण बना।

सरयू नदी का पौराणिक महत्व

सरयू नदी अयोध्या से होकर बहती है और इसे मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम से गहरे रूप में जोड़ा जाता है। रामायण में यह नदी केवल एक भौगोलिक धारा नहीं, बल्कि दिव्य मोक्ष का द्वार भी मानी जाती है। कहा जाता है कि श्रीराम ने अपने जीवन के अंतिम समय में सरयू नदी में जल समाधि ली थी और अपने दिव्य लोक में प्रस्थान किया था। कुछ कथाओं में उल्लेख मिलता है कि बाल्यकाल में रावण अयोध्या की धरती पर भी आया था। ऐसी मान्यता है कि रावण के पिता ऋषि विश्रवा और उसकी माता कैकसी ने रावण के बाल्यकाल में उसे अयोध्या की यात्रा करवाई थी, जहां सरयू नदी के तट पर उसे वैदिक संस्कार सिखाए गए। सरयू के किनारे रावण ने अपनी प्रथम यज्ञ दीक्षा प्राप्त की थी। कुछ लोककथाओं के अनुसार, रावण जब भगवान शिव को प्रसन्न करने के लिए अपने तपस्या काल में अयोध्या आया, तब उसने सरयू नदी के तट पर विशेष रुद्राभिषेक किया था। कहते हैं कि सरयू का निर्मल जल शिव को अत्यंत प्रिय है और रावण ने इसी जल से भगवान शिव को स्नान कराया था। अयोध्या के समीप प्राचीन समय में रावण द्वारा स्थापित एक शिवलिंग की भी चर्चा मिलती है, हालांकि इसका ऐतिहासिक प्रमाण बहुत सीमित है।

कुछ शोधकर्ता मानते हैं कि रावण ने सरयू के जल का प्रयोग शिव आराधना के लिए विशेष रूप से किया था, क्योंकि सरयू का जल मोक्षदायिनी माना जाता है।

रावण के राम से युद्ध का आध्यात्मिक संकेत

रावण और राम का युद्ध केवल अच्छाई और बुराई का युद्ध नहीं था, बल्कि यह अहंकार और मर्यादा के बीच संघर्ष था। रावण जहां अद्भुत शक्ति का प्रतीक था, वहीं राम मर्यादा और धर्म का प्रतिरूप। इस युद्ध के बाद जब भगवान श्रीराम सरयू नदी में जल समाधि लेते हैं, तो मान्यता है कि यही सरयू रावण के समर्पण का भी साक्षी बनी थी। कुछ कथाओं के अनुसार, रावण की आत्मा ने मोक्ष की प्राप्ति के लिए श्रीराम से अंतिम समय में सरयू तट पर क्षमा याचना की थी, और प्रभु राम ने अपने करुणामय स्वभाव से उसे मुक्ति प्रदान कर दी थी। कहा जा सकता है रावण केवल एक खलनायक नहीं था, बल्कि वह भारतीय संस्कृति का एक जटिल और बहुपक्षीय पात्र था। उसकी विद्वता, भक्ति और साहस आज भी चर्चा का विषय हैं। सरयू नदी, जो श्रीराम की महत्ता की प्रतीक मानी जाती है, रावण के जीवन में भी एक अदृश्य आध्यात्मिक धारा के रूप में जुड़ी रही है। यह संबंध हमें यह सिखाता है कि भले ही पात्रों का संघर्ष कैसा भी हो, भारत की नदियां और धरोहरें सबका समान रूप से कल्याण करती हैं। कैलाश पर्वत के पास ही राक्षस ताल नामक झील भी स्थित है, जिसे नकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक माना ज ाता है। झील का पानी अत्यंत निर्मल और मीठा होता है। वैज्ञानिकों के अनुसार, मानसरोवर झील में अद्भुत चुंबकीय ऊर्जा पाई जाती है।

लास्मान सुरोवर के निर्मल जल में झलकते हैं मोक्ष के द्वार, जहां हिमखंडों की गोद में विराजते हैं आदि देव, त्रिपुरारी, भगवान शिव। जिसके ऊपर स्वर्ग है और नीचे मृत्युलोक है. शिवपुराण, स्कंद पुराण, मत्स्य पुराण समेत कई ग्रंथों में कैलाश का जिक्र मिलता है. कैलाश पर्वत के दक्षिण भाग को नीलम, पूर्व भाग को क्रिस्टल, पश्चिम को रूबी और उत्तर को स्वर्ण रूप में माना जाता है. यह वही कैलाश हैः जहां कड़कड़ाती ठंड में भी जीवन की तपस्या चलती है, जहां हर बर्फ का कण "ॐ नमः शिवाय" का जप करता है। कैलाशः शिव का वो परंपावन धाम है, जहां समय भी ठहर जाता है, सांसें भी शिवमय हो जाती हैं। यहां का हर पत्थर, हर झरना, हर हवा शिव की महिमा गुनगुनाती है। जहां लास्मान सुरोवर के दर्शन मात्र से आत्मा पावन हो जाती है, और महादेव के चरणों में मन स्थिर हो जाता है। कैलाश, न केवल एक स्थान है, बल्कि यह स्वयं मुक्ति का मार्ग है। इतना ही नहीं कैलाश को धरती का "अक्षय धाम" कहा जाता है, जहां समय, जीवन और मृत्यु तीनों निरर्थक हो जाते हैं. मानसरोवर ब्रह्मा के मन से बना है और यहीं से सरयू, सतलुज, सिंधु और ब्रह्मपुत्र जैसी प्रमुख नदियां निकलती हैं। यह सरोवर लगभग 15,100 फीट की ऊंचाई पर स्थित एक मीठे पानी की झील है, जिसका मुख्य स्रोत कैलाश है

ठाकुर रामनारायण कालेज द्वारा बौद्धिक संपदा अधिकारों पर कार्यशाला आयोजित

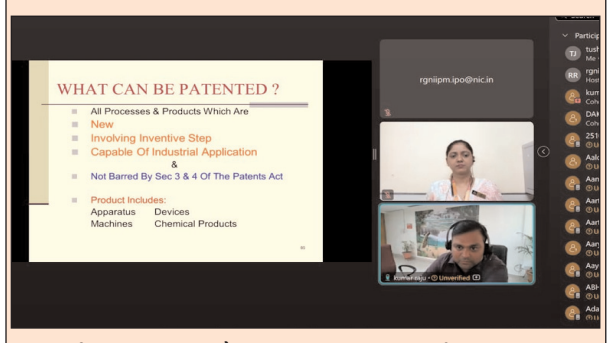

मुंबई (उत्तरशक्ति)। शैक्षणिक संस्थान ठाकुर कालेज द्वारा अनुसंधान और विकास प्रकोष्ठ ने राजीव गांधी राष्ट्रीय बौद्धिक संपदा प्रबंधन संस्थान नागपुर के सहयोग से भारत सरकार के राष्ट्रीय बौद्धिक जागरूकता मिशन के तहत बौद्धिक संपदा अधिकार पर पेटेंट डिजाइन और फाइलिंग पर एक ऑनलाइन भव्य कार्यशाला का आयोजन 27 जून शुक्रवार को दहिसर में किया गया। और इसमें विभिन्न क्षेत्रों से तीन सौ से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। नागपुर से आये सहायक नियंत्रक कुमार राजू ने कार्यशाला के लिए सम्मानित संसाधन के लिए सराहनीय कार्य किया। उन्होंने बौद्धिक संपदा अधिकारों के लिए बेहद आकर्षक व बढ़ते महत्व पर ब्याख्यान दिया।

और भारत मे पेटेंट डिजाइन दाखिल करने की प्रक्रियाओं के बारे में छात्रों, शिक्षकों द्वारा नवाचार को प्रोत्साहित करने और बौद्धिक रचनाओं की सुरक्षा करने का आग्रह किया। यह कार्यक्रम निःशुल्क आयोजित किया गया और उपस्थित लोगों को ई प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।

प्रिंसिपल डॉक्टर सुमथी राजकुमार और वाइस प्रिंसिपल डॉक्टर नेहा गोयल ने इस बहुमूल्य पहल को आगे बढ़ाने में अनुसंधान और विकास सेल के प्रयासों की सराहना की। आर एंड डी सेल की अध्यक्षा दक्षा चौधरी ने सहयोग के लिए नागपुर संस्थान और सभी प्रतिभागियों को उनकी उत्साही प्रतिक्रिया के लिए हार्दिक आभार व्यक्त किया।

खावड़ा ट्रांसमिशन परियोजना से प्रभावित किसानों को पारदर्शी ढंग से मिली फसल मुआवजा राशि

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। पालघर जिले में खावड़ा ट्रांसमिशन परियोजना से प्रभावित किसानों को हाल ही में उनकी फसलों के नुकसान के लिए मुआवजा राशि प्रदान की गई। यह मुआवजा वितरण प्रक्रिया पूरी तरह से पारदर्शी ढंग से और समयबद्ध तरीके से डिमांड ड्राफ्ट (डीडी) के माध्यम से संपन्न हुई।

ज्ञात हो कि केंद्र सरकार की महत्त्वाकांक्षी योजना के तहत गुजरात से महाराष्ट्र तक उच्च दाब की विद्युत लाइनों के निर्माण हेतु पालघर जिले के कई गांवों की कृषि भूमि पर ट्रांसमिशन टॉवर स्थापित किए जा रहे हैं। इन टॉवरों के कारण प्रभावित किसानों को उचित मुआवजा देने के लिए ऊर्जा मंत्रालय के मार्गदर्शन में तथा स्थानीय प्रशासन और कृषि विभाग के सहयोग से मुआवजा वितरण की प्रक्रिया को योजनाबद्ध रूप से अंजाम दिया गया। फसल मुआवजा निर्धारित करते समय किसानों की भूमि पर की जाने वाली खेती का प्रकार, मौसमी उत्पादन, खेती की पद्धति और भूमि का कृषि मूल्य जैसे विविध पहलुओं का गहनता से मूल्यांकन किया गया। पूर्व में ही पालघर जिले में मुआवजे की दरें घोषित कर दी गई थीं, जिसे किसानों ने संतोषजनक और न्यायसंगत बताते हुए सकारात्मक प्रतिक्रिया दी थी। मुआवजे के रूप में डिमांड ड्राफ्ट प्राप्त करने के बाद कई किसानों ने प्रशासन के प्रति विश्वास जताया और इस प्रक्रिया को अन्य परियोजनाओं के लिए भी अनुकरणीय मॉडल मानने की बात कही। वितरण के दौरान विभिन्न गांवों से आए किसानों की सक्रिय भागीदारी उल्लेखनीय रही।इस सफल वितरण प्रक्रिया में जिला स्तरीय अधिकारियों और कृषि विभाग के कर्मियों की महत्त्वपूर्ण भूमिका रही। विशेषज्ञों का मानना है कि इस तरह की त्वरित, न्यायसंगत और पारदर्शी मुआवजा व्यवस्था किसानों का विश्वास मजबूत करती है, जिससे भविष्य की आधारभूत परियोजनाओं के लिए उनका सहयोग और सहजता से प्राप्त किया जा सकता है।

लॉरिट्ज नुडसेन इलेक्ट्रिकल एंड ऑटोमेशन ने भारत की प्रगति के गलियारों को सशक्त बनाने के लिए अब तक का सबसे बड़ा प्रोडक्ट पोर्टफोलियो लॉन्च किया

मुंबई/पटना। भारत के इलेक्ट्रिकल और ऑटोमेशन क्षेत्र की प्रमुख कंपनी लॉरिट्ज नुडसेन इलेक्ट्रिकल एंड ऑटोमेशन ने आज अपने इतिहास का सबसे बड़ा प्रॉडक्ट पोर्टफोलियो लॉन्च किया। यह कदम भारत के प्रमुख औद्योगिक क्लस्टर्स और विकास गलियारों को आधुनिक तकनीकों से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।इस अभियान के तहत कंपनी देश के 30 औद्योगिक शहरों में जाकर स्थानीय नेतृत्व, हितधारकों और सहयोगियों से संवाद करेगी। इसका उद्देश्य भारत के विनिर्माण और बुनियादी ढांचे के केंद्रों में तकनीकी अपनाने की गति को बढ़ाना है।कम वोल्टेज समाधानों, औद्योगिक ऑटोमेशन और नई ऊर्जा आवश्यकताओं पर गहरे फोकस के साथ, लॉरिट्ज नुडसेन एक तकनीक-आधारित बदलाव को आगे बढ़ा रहा है, जो भारत के प्रमुख और महत्वपूर्ण औद्योगिक नगरों तक पहुंचता है। यह ऐतिहासिक अभियान कंपनी की उस प्रतिबद्धता को दशार्ता है जो एक तकनीकी रूप से उन्नत, आर्थिक रूप से सशक्त और ऊर्जा-सक्षम भारत के निर्माण की दिशा में है – और यह सरकार के विकसित भारत 2047 विजन के अनुरूप है। लॉरिट्ज नुडसेन इलेक्ट्रिकल एंड ऑटोमेशन के सीओओ नरेश कुमार ने कहाः हमारा उद्देश्य स्मार्ट टेक्नोलॉजीज के जरिए ग्राहकों को ज्यादा सुरक्षित, तेज और स्मार्ट तरीके से काम करने में सक्षम बनाना है। इस प्रोडक्ट शोकेस के माध्यम से हम यह भरोसा और मजबूत कर रहे हैं कि नवाचार हर क्षेत्र की अलग-अलग जरूरतों के अनुसार सुलभ, अनुकूलनीय और प्रासंगिक होना चाहिए। फिर चाहे बात रायपुर की राइस मिल को ऑटोमेट करने की हो, कोयंबटूर की टेक्सटाइल मिल को ऊर्जा देने की हो, या पुणे के किसी प्लांट का आधुनिकीकरण करने की।

महाराष्ट्र के मंत्री नितेश राणे की बढ़ी मुश्किलें, मुंबई की अदालत ने जारी किया गैर-जमानती वारंट

मुंबई। मुंबई की एक मजिस्ट्रेट अदालत ने गुरुवार को महाराष्ट्र के बंदरगाह विकास मंत्री नितेश राणे के खिलाफ गैर-जमानती वारंट (ठइह) जारी किया। यह वारंट उनके वकील द्वारा दायर छूट आवेदन को खारिज करने के बाद जारी किया गया। राणे अदालती कार्यवाही में अनुपस्थित थे और मामले में उनकी लगातार गैर-हाजिरी के कारण छूट याचिका को खारिज कर दिया गया। इससे पहले अदालत ने सुनवाई में शामिल न होने के कारण पिछले महीने राणे के खिलाफ जमानती वारंट जारी किया था। 2 जून को, भाजपा नेता ने उपस्थिति से स्थायी छूट की मांग करते हुए एक आवेदन दायर किया था, जिसे अदालत ने भी खारिज कर दिया था। यह पहली बार नहीं है जब राणे के खिलाफ इस मामले में वारंट जारी किया गया है, यह मामला शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत द्वारा दायर किया गया था। इससे पहले एक गैर-जमानती वारंट जारी किया गया था, लेकिन बॉम्बे हाईकोर्ट ने इसके निष्पादन पर रोक लगा दी थी। मजिस्ट्रेट अदालत ने अब पुलिस को 18 जुलाई तक वर्तमान गैर जमानती वारंट के निष्पादन पर रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। यह मामला 2023 के एक भाषण से जुड़ा है जिसमें राणे ने कथित तौर पर राउत को ₹सांप₹ कहा था जो 10 जून, 2023 तक उद्धव ठाकरे को छोड़कर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) में शामिल हो जाएगा - जो एनसीपी का 25वां स्थापना दिवस है। उस समय शिवसेना (यूबीटी) और एनसीपी दोनों ने राणे के दावों का तुरंत खंडन किया था। इस टिप्पणी के बाद राउत ने मजिस्ट्रेट कोर्ट में राणे के खिलाफ मानहानि का मामला दर्ज कराया। जवाब देने के लिए समन भेजे जाने के बावजूद राणे लगातार कोर्ट में पेश नहीं हुए।

ठाणे में फ्लैट से 2.12 करोड़ रुपये मूल्य का मादक पदार्थ बरामद, युवती सहित तीन गिरफ्तार

ठाणे। महाराष्ट्र के ठाणे जिले में पुलिस ने एक फ्लैट में छापेमारी कर-के 2.12 करोड़ रुपये मूल्य की मेफेड्रोन (एमडी) जब्त करके इस मामले में एक युवती समेत तीन व्यक्तियों को गिरफ्तार किया। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी।कल्याण क्षेत्र-तीन के पुलिस उपायुक्त अतुल झेंडे ने बताया कि डोंबिवली के पास खोंनी गांव स्थित एक फ्लैट में बृहस्पतिवार रात एक गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी की गई। उन्होंने कहा, छापे के दौरान 21 वर्षीय एक युवती को मौके से गिरफ्तार किया गया, जो मादक पदार्थ के स्थानीय स्तर पर वितरण में शामिल थी। उसके दो पुरुष साथी मौके से फरार हो गए थे, लेकिन बाद में उन्हें भी गिरफ्तार कर लिया गया।झेंडे के अनुसार, तीनों एक संगठित नेटवर्क का हिस्सा हैं। उन्होंने बताया कि दो पुरुष आरोपी मादक पदार्थ की आपूर्ति और साजोसामान का काम संभालते थे, जबकि युवती स्थानीय स्तर पर उसके वितरण में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती थी।पुलिस के मुताबिक, जब्त मेफेड्रोन की कुल मात्रा 1.93 किलोग्राम है और इसकी अनुमानित बाजार कीमत करीब 2.12 करोड़ रुपये है। मनपाड़ा पुलिस थाने में स्वापक औषधि और मनःप्रभावी पदार्थ अधिनियम (एनडीपीएस) की विभिन्न धाराओं के तहत एक मामला दर्ज किया गया है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि कहीं यह गिरोह महाराष्ट्र के भीतर या बाहर किसी बड़े मादक पदार्थ सिंडिकेट से जुड़ा हुआ तो नहीं है।

संगीतकार रफीक राजा के जन्मदिन समारोह में पहुंचे गणमान्य

मुंबई (उत्तरशक्ति)। अँधेरी पश्चिम स्थित मेगा मॉल में फेमस म्यूजिक डायरेक्टर रफीक राजा का बर्थडे धूम धाम से मनाया गया। जिसमें शहर के गणमान्य लोगों ने उपस्थिति दर्ज कराई।

फिल्म डायरेक्टर आयना गुप्ता, सिंगर एकता, निमार्ता निर्देशक कैलाश मासूम और प्रकाश जायसवाल, फिल्म निमार्ता मुकेश कुमार मासूम, आशा सहित अन्य शहर की नामचीन हस्तियों ने केक काटकर रफीक राजा का जन्मदिन मनाया। बता दें कि रफीक राजा बॉलीवुड के प्रसिद्ध म्यूजिक डायरेक्टर हैं।

ऑपरेशन सिंधुः भारत ने 4400 से अधिक लोगों को सफलतापूर्वक निकाला

मुंबई/नई दिल्ली(उत्तरशक्ति)। भारत सरकार ने पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के प्रति त्वरित और समन्वित प्रतिक्रिया के रूप में ईरान और इजरायल से 4,415 भारतीय नागरिकों को निकालते हुए ऑपरेशन सिंधु का पहला चरण पूरा कर लिया है। भारत ने 18 जून को ऑपरेशन सिंधु की शुरूआत की थी, जो कि इजरायल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के बीच पश्चिम एशिया में फंसे भारतीय नागरिकों को निकालने के लिए एक बड़ी बचाव पहल है।

तीन भारतीय वायु सेना सी-17 विमानों सहित 19 विशेष उड़ानों के जरिए बड़े पैमाने पर निकासी की गई है। क्षेत्रीय एकजुटता के संकेत में, भारत सरकार ने पड़ोसी देशों के नागरिकों को भी मानवीय सहायता प्रदान की है। ईरान से निकाले गए लोगों में 14 ओसीआई कार्डधारक, 9 नेपाली नागरिक, 4 श्रीलंकाई नागरिक और एक भारतीय नागरिक का 1 ईरानी जीवनसाथी शामिल है।

विदेश मंत्रालय के एक आधिकारिक बयान के अनुसार, तेहरान, येरेवन और अश्गाबात में भारतीय दूतावासों ने भूमि सीमा पार करने सहित निकासी के सुरक्षित मार्ग को सुविधाजनक बनाने के लिए निकट समन्वय किया। ईरान से अधिकांश निकासी मशहद के रास्ते से की गई। 18 से 26 जून तक, कुल 3,597 भारतीय नागरिकों को, जिनमें 15 से अधिक भारतीय राज्यों के छात्र, श्रमिक, पेशेवर, तीर्थयात्री और मछुआरे शामिल थे, 15 विशेष निकासी उड़ानों के माध्यम से येरेवन, अश्गाबात और मशहद से वापस लाया गया।

इजरायल में ऑपरेशन 23 जून को शुरू हुआ। तेल अवीव, रामल्लाह, अम्मान और काहिरा में भारतीय मिशनों ने जॉर्डन और मिस्र में भूमि सीमाओं के पार भारतीय नागरिकों की आवाजाही को सक्षम करने के लिए मेजबान सरकारों के साथ समन्वय किया। विदेश मंत्रालय ने बताया कि 22 से 25 जून के बीच, अम्मान और शर्म अल शेख से तीन आईएएफ सी-17 विमानों सहित चार निकासी उड़ानों के माध्यम से कुल 818 भारतीय नागरिकों को निकाला गया, जिनमें छात्र, श्रमिक और पेशेवर शामिल थे।

दो देशी पिस्टल के साथ एक युवक गिरफ्तार

ठाणे एंटी एक्सटॉर्शन स्क्वॉड की कार्रवाई

चेतन निर्मल संवाददाता कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण पश्चिम के बंदरपाड़ा इलाके में रहने वाले सचिन शिंदे नामक युवक को ठाणे एंटी एक्सटॉर्शन स्क्वॉड ने गिरफ्तार किया है। उसके पास से दो देशी पिस्टल और कारतूस बरामद किया गया है। पिस्टल और कारतूस की कीमत 1 लाख 5 हजार रुपये बताया गया है।

ठाणे एंटी एक्सटॉर्शन स्क्वॉड को मिली जानकारी के अनुसार आरोपी सचिन कल्याण बंदरपाड़ा इलाके में एक किराना दुकान के बगल में रहता है। वह फल बेचने का कारोबार करता है। गिरफ्तारी के बाद सचिन के खिलाफ खड़कपाड़ा थाने में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया कि सचिन अपराधी किस्म का युवक है।

उसके खिलाफ खड़कपाड़ा थाने में पहले भी दो मामले दर्ज हैं। सचिन को गिरफ्तार करने के बाद कल्याण कोर्ट में पेश किया गया। जहां पर कोर्ट ने उसे 30 जून तक पुलिस हिरासत में रखने का आदेश दिया है ।ठाणे खंडनी टीम पूरे मामले की जांच करने में लगी है । आरोपी सचिन किस मकसद से दो पिस्टल अपने पास रखा है।

सेव अर्थ मिशन द्वारा 'ग्लोबल विजन अनवीलिंग कार्यक्रम की घोषणा

मुंबई (उत्तरशक्ति)। एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत सिर्फ 1 घंटे में 5 लाख से अधिक पेड़ लगाकर, सेव अर्थ मिशन ने जलवायु परिवर्तन के खिलाफ एक ऐतिहासिक कदम उठाया और दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा। इस विश्व रिकॉर्ड-सृजन कार्यक्रम को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सराहा गया और फोर्ब्स, फॉक्स, बिजनेस इनसाइडर, व अन्य प्रमुख राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मीडिया चैनलों पर प्रमुखता से प्रकाशित किया गया। अब, सेव अर्थ मिशन वैश्विक स्तर पर अपनी मौजूदगी दर्ज कराने जा रहा है।

संगठन ने अपने सबसे बड़े अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम सेव अर्थ मिशन ग्लोबल विजन अनवीलिंग झ्र की आधिकारिक घोषणा की है। यह आयोजन सेव अर्थ मिशन की वैश्विक रणनीति की शुरूआत को चिन्हित करेगा, जिसका उद्देश्य है वर्ष 2040 तक 30 अरब पेड़ लगाना और पृथ्वी को नेट जीरो कार्बन उत्सर्जन की ओर ले जाना। यह ऐतिहासिक कार्यक्रम 3 जुलाई 2025 को शाम 6:00 बजे प्रतिष्ठित गिफ्ट सिटी क्लब, अहमदाबाद में आयोजित किया जाएगा।

यह वैश्विक घोषणा सेव अर्थ मिशन की यात्रा में एक बड़ा और निर्णायक कदम है – एक ऐसा मंच जहां संगठन अपने विस्तारित रोडमैप का अनावरण करेगा और अंतरराष्ट्रीय चैप्टर्स को एकजुट कर जलवायु संरक्षण के एक साझा लक्ष्य की ओर प्रेरित करेगा। कार्यक्रम में सेव अर्थ मिशन के वैश्विक नेटवर्क से नेता, प्रतिनिधि और स्वयंसेवक शामिल होंगे, जो देशवार वृक्षारोपण अभियानों, नई साझेदारियों, और तेज गति से पुनर्वनीकरण के प्रयासों की नींव रखेंगे।

कार्यक्रम के स्थान का चयन एक वैश्विक सार्वजनिक मतदान प्रक्रिया के माध्यम से किया गया, जिसमें अबू धाबी, दुबई, गोवा, बैंकॉक और अहमदाबाद जैसे शहरों को विकल्प के रूप में प्रस्तुत किया गया था। सबसे अधिक मतों के साथ अहमदाबाद को चुना गया, जिसने भारत को इस वैश्विक जलवायु क्रांति के अगले चरण का केंद्र बना दिया। संदीप चौधरी, अध्यक्ष झ्र भारत चैप्टर, सेव अर्थ मिशन ने कहा, यह केवल भारत नहीं, बल्कि पूरे विश्व के लिए गर्व का क्षण है। लोगों ने अपनी आवाज उठाई, और अहमदाबाद ने वैश्विक जलवायु एकता का प्रतीक बनकर एक नई मिसाल कायम की है। ग्लोबल विजन अनवीलिंग कार्यक्रम में मैं सेव अर्थ मिशन का वैश्विक रोडमैप प्रस्तुत करूंगा – जिसमें अंतरराष्ट्रीय वृक्षारोपण अभियानों, सीमापार सहयोग और नागरिकों, कॉर्पोरेट्स व सरकारों को एक साथ जोड़कर 2040 तक 30 अरब पेड़ लगाने के मिशन को पूरा करने की योजना होगी।

सेव अर्थ मिशन ग्लोबल विजन अनवीलिंग में प्रमुख भाषण, रणनीतिक साझेदारियों की घोषणाएं, देशवार वृक्षारोपण संकल्प, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, और पृथ्वी की पारिस्थितिकी प्रणालियों को पुनर्जीवित करने के लिए एक संयुक्त वैश्विक घोषणा शामिल होगी।

यह आयोजन जलवायु परिवर्तन के विरुद्ध वैश्विक संघर्ष में एक निर्णायक मोड़ साबित होगा – एक ऐसा क्षण जहां वादों की जगह वास्तविक क्रियान्वयन होगा, और पूरी दुनिया मिलकर एक हरित, टिकाऊ पृथ्वी की दिशा में ठोस कदम उठाएगी।

वैद्यकीय मदत कक्ष की ओर से विद्यार्थियों को नि:शुल्क शैक्षणिक सामग्री वितरित की गई

मुंबई (उत्तरशक्ति)। दुर्गम इलाकों,गांव- और दूरदराज के इलाकों में मरीजों की सेवा करने वाले कदम कृष्णा वैद्यकीय मदत कक्ष की ओर से पोलादपुर व महाबलेश्वर तालुका के कलमगा हाई स्कूल, मुरा हाई स्कूल, मांचर हाई स्कूल, जावली हाईस्कूल, कोतवाल खुर्द बुद्रुक, कोतवाल हाईस्कूल, लोहारमाल, चरई मराठी स्कूल के विद्यार्थियों को स्कूली बैग, नोटबुक, छाते, और रेनकोट वितरित किए गए। बता दें कि वैद्यकीय मदत कक्ष की ओर से कोरोना काल से ही लगातार मरीजों के लिए काम किया जा रहा है। इस कक्ष की ओर से जरूरतमंद विद्यार्थियों को शैक्षणिक सामग्री वितरित की जाती है। कक्ष के मुख्य अध्यक्ष कृष्णा मारुति कदम ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि यह सेवा देश और समाज के प्रति ऋण से बाहर निकलकर की जा रही है। शैक्षणिक साहित्य वितरण कार्यक्रम में चंद्रकांत मोरे, अनिल मोरे, दीपक सपकाल, शुभांगी महाडीक, चंद्रकांत उतेकर, सुभाष नरे आदि उपस्थित थे। इस अवसर पर वैद्यकीय मदत कक्ष के अध्यक्ष कृष्णा कदम ने कहा कि हमारे संगठन का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों के जरूरतमंद छात्रों को शैक्षणिक साहित्य से मुहैया कराना ही मुख्य उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि कदम कृष्णा वैद्यकीय मदत कक्ष तालुका में मरीजों के लिए एक अच्छी गुणवत्ता वाला अस्पताल बनाने का भी प्रयास करेगा।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालयः
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

मर्जर आदेश के खिलाफ शिक्षकों का हल्ला बोल, हजारों की संख्या में पहुंचे कलेक्ट्रेट

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। परिषदीय विद्यालयों के मर्जर आदेश के खिलाफ उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के बैनर तले हजारों शिक्षकों ने शुक्रवार को कलेक्ट्रेट परिसर में जोरदार प्रदर्शन किया। जिलाध्यक्ष अमित सिंह के नेतृत्व में शिक्षकों ने मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन एसडीएम न्यायिक गरिमा जायसवाल को सौंपा।

अमित सिंह ने कहा कि कम छात्र संख्या के आधार पर विद्यालयों का मर्जर शिक्षा अधिकार अधिनियम 2009 के खिलाफ है। इसका सीधा असर ग्रामीण क्षेत्रों, खासकर छोटे बच्चों और बच्चियों की शिक्षा पर पड़ेगा। उन्होंने सरकार से 16 जून 2025 को जारी मर्जर आदेश को निरस्त करने, विद्यालयों में प्रशिक्षित शिक्षकों और प्रधानाध्यापकों की तैनाती, गैर मान्यता प्राप्त स्कूलों की मान्यता रद्द करने और शिक्षकों से केवल शैक्षणिक कार्य लेने की मांग की। ज्ञापन सौंपने से पूर्व शिक्षकों ने हाथों में बैनर-तख्तियां लेकर कलेक्ट्रेट परिसर में परिक्रमा कर नारेबाजी की। कार्यक्रम में विभिन्न शिक्षक संघों व कर्मचारी संगठनों के प्रतिनिधि, जिला/ब्लॉक पदाधिकारी, महिला शिक्षिकाएं, छात्र संगठनों के प्रतिनिधि आदि बड़ी संख्या में शामिल हुए।

कमिश्नरेट थाना दशाश्वमेध में कार्यरत कांस्टेबल दिनेश कुमार का सराहनीय कार्य

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद में श्रीनिवासन राव निवासी बोबली विजयनगरम आंध्र प्रदेश अपने परिवार के साथ वाराणसी के दशाश्वमेध घाट पर गंगा आरती देखने आए थे उस दौरान उनकी बहन लक्ष्मी राव का आईफोन मोबाइल खो गया था जो थाना दशाश्वमेध के आरक्षी दिनेश कुमार को मिला उसके बाद इस मोबाइल को श्रीनिवासन राव से संपर्क कर उन्हें सुपुर्द किया। सराहनीय कार्य के लिए परिजनों नें कांस्टेबल दिनेश कुमार को धन्यवाद दिया वाराणसी पुलिस का आभार।

वाराणसी के विजया नगरम् मार्केट की 18 दुकानें की गई सील, व्यापारियों ने किया जबरदस्त विरोध

चेतगंज सर्किल की फोर्स के साथ मौजूद रहे पुलिस के अफसर, अवैध निर्माण व सील तोड़ने पर की कार्रवाई

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। नगर निगम वाराणसी ने प्रशासनिक कार्रवाई करते हुए विजया नगरम् मार्केट स्थित 18 दुकानों पर ताला बंद कर उन्हें सील कर दिया। यह कार्रवाई नगर आयुक्त अक्षत वर्मा के सख्त निर्देश पर, सहायक नगर आयुक्त अनिल यादव के नेतृत्व में नगर निगम की विशेष टीम द्वारा की गई।

नगर निगम द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, विजया नगरम् मार्केट में नगर निगम के स्वामित्व वाली दुकानों का आवंटन पूर्व में विभिन्न लोगों को किराये पर किया गया था। लेकिन आवंटियों द्वारा आवंटन शर्तों का उल्लंघन करते हुए दुकानों पर अवैध रूप से प्रथम व द्वितीय तल का निर्माण करा लिया गया। नगर निगम ने इस गम्भीर उल्लंघन को संज्ञान में लेते हुए पूर्व में 18 दुकानों का आवंटन निरस्त कर दिया था। इसके बाद सभी दुकानों को ताला बंद कर सील कर दिया गया था। लेकिन शिकायत मिली कि कुछ दुकानदारों ने सील तोड़कर पुनः व्यावसायिक गतिविधियाँ शुरू कर दी थीं, जो कानूनन अपराध की श्रेणी में आता है।

अवैध निर्माण पर चला बुलडोजर, फिर से की गई सीलिंगः सील तोड़ने व अवैध निर्माण की पुष्टि के बाद नगर निगम की टीम ने आज दोबारा विजया नगरम् मार्केट पहुंचकर सभी 18 दुकानों को सील कर दिया। टीम के साथ चेतगंज सर्किल की फोर्स के साथ पुलिस के अधिकारी मौजूद रहे। इस कार्रवाई के दौरान दुकानदारों और उनके परिजनों के साथ ही व्यापारी संगठन के पदाधिकारियों ने पहुंचकर जोरदार विरोध दर्ज कराया।

नगर निगम ने स्पष्ट किया है कि किसी भी दुकानदार द्वारा नियमों का उल्लंघन, अवध निर्माण या सील तोड़ने की स्थिति में कड़ी कार्रवाई की जाएगी, जिसमें विधिक कार्रवाई व दंडात्मक उपाय भी शामिल होंगे।

दुघर्टना में घायल चौकीदार की इलाज के दौरान मौत

गभिरन,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। तीन दिनों पूर्व सड़क दुर्घटना में घायल चौकीदार फिरतू उर्फ खुदरु गौतम(53 वर्ष) की ट्रॉमा सेंटर वाराणसी में इलाज के दौरान शनिवार की भोर में मौत हो गयी। बताते है कि सिर में गम्भीर चोट लगने के बाद ट्रामा सेंटर में उनके सिर का ऑपरेशन हुआ था। लेकिन नियति को कुछ और ही मंजूर था। चोट अतिगम्भीर के चलते उन्होंने दम तोड़ दिया। मनहूस खबर सुन परिजनों में कोलाहल मच गया। वह खुटहन थाने में चौकीदार के पद पर तैनात थे। शव घर पहुचते ही परिजन बदहवास होकर शव से लिपटकर रोते बिलखते लगे। पत्नी बरफा देवी का रो रोकर बुरा हाल हो गया है। सूचना पर पहुची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पीएम हेतु जिला मुख्यालय भेज दिया।

- ट्रामा सेंटर वाराणसी में चल रहा था उपचार
- खुटहन थाने पर चौकीदार के पद पर थे तैनात
- खबर लगते ही परिजनों का रो रो कर बुरा हाल

इमामपुर गांव निवासी फिरतू उर्फ खुदरू गौतम बीते बुधवार की देर शाम किसी घरेलू कार्य को लेकर इमामपुर बाजार से गौसपुर की तरफ पैदल जा रहे थे। इसी दौरान किसी अज्ञात बाईक सवार ने पीछे से जोरदार टक्कर मार दिया। गंभीरावस्था में आसपास के लोग उन्हें बेहतर चिकित्सा हेतु स्थानीय सीएचसी ले गए जहां चिकित्सकों ने सिर में अतिगम्भीर चोट लगने की वजह से वाराणसी ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया था।

सिकरारा पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट का वांछित व 25 हजार के इनामिया आरोपी को किया गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। प्रभारी निरीक्षक सिकरारा के नेतृत्व में थाना सिकरारा पुलिस टीम द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0 195/2025 धारा-3(1) गैंगस्टर एक्ट से सम्बन्धित 01 वांछित 25,000 रुपए का इनामिया आरोपी संगम यादव पुत्र तालुकदार यादव निवासी हुसैनाबाद थाना शाहगंज जनपद जौनपुर हा0प0 अंगुली पोखरा थाना खुटहन जनपद जौनपुर को दिनांक-28.06.2025 को मुखबीर की सूचना के आधार पर सई नदी बरगूदर पूल से गिरफ्तार कर आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है।

नाम/पता इनामिया गिरफ्तार वांछित आरोपीः 1.संगम यादव पुत्र तालुकदार यादव निवासी हुसैनाबाद थाना शाहगंज जनपद जौनपुर हाल पता अंगुली पोखरा थाना खुटहन जनपद जौनपुर। अपराधिक इतिहास 1.मु0अ0स0 71/19 धारा 272, 419, 420, 467, 468, 471 भादवि व 60, 60(अ), 63 आबकारी अधि0 थाना खुटहन जनपद जौनपुर। 2.मु0अ0सं0 72/19 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट थाना खुटहन जनपद जौनपुर।

3.मु0अ0सं0 91/21धारा 504/506 भादवि थाना खुटहन जनपद जौनपुर। 4.मु0अ0सं0 203/19 धारा 272, 419, 420, 467, 468, 471 भादवि व 60, 63 आबकारी अधि0 थाना खुटहन जनपद जौनपुर। 5.मु0अ0सं0 248/23 धारा 323, 504, 506 भादवि थाना खुटहन जनपद जौनपुर। 6.मु0अ0सं0 70/20 धारा 3(1) यू0पी0 गैगेस्टर एक्ट थाना बदलापुर जनपद जौनपुर। 7.मु0अ0सं0 187/19 धारा 272, 273, 419, 420, 467, 468, 471 भादवि व 60, 63 आबकारी अधि0 थाना बदलापुर जनपद जौनपुर। 8.मु0अ0सं0 130/25 धारा 191(2)/115(2)/121(1)/132 बीएनएस व 45 कारागार अधि0 व 3/5 सार्वजनिक संपत्ति नुकसान निवारण अधि01984 थाना लाइन बाजार जनपद जौनपुर। 9.मु0अ0सं0 365/22 धारा 419, 420, 465, 468 भादवि व 60 आबकारी अधि0 थाना लाइन बाजार जनपद जौनपुर। 10.मु0अ0सं0 366/22 धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट थाना लाइन बाजार जनपद जौनपुर। 11.मु0अ0सं0 94/24 धारा 3(1) यू0पी0 गैगेस्टर एक्ट थाना शाहगंज जनपद जौनपुर। 12.मु0अ0सं0 316/23 धारा 307, 419, 420, 467, 468 भादवि थाना शाहगंज जनपद जौनपुर। 13.मु0अ0सं0 75/23 धारा 279, 304-अ भादवि थाना सरायख्वाजा जनपद जौनपुर। 14.मु0अ0सं0-195/2025 धारा 3(1) गैगेस्टर एक्ट थाना सिकरारा जनपद जौनपुर।

लखनऊ में 4 से 6 जुलाई तक होगा आम महोत्सव का आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिला उद्यान अधिकारी ने अवगत कराया है कि उत्तर प्रदेश के आम उत्पादको और प्रेमियों के लिए खुशखबरी, तीन दिवसीय भव्य आम महोत्सव का आयोजन 04 से 06 जुलाई 2025 को अवध शिल्प ग्राम अवध विहार योजना, सेक्टर 09 अमर शहीद पथ लखनऊ में आयोजित किया जा रहा है।

किसान गुणवत्तायुक्त पौध रोपण सामग्री व महोत्सव मे आम की ब्रिक्री करना चाहते है तो पौध रोपण सामग्री प्रजाति के टैग के साथ पालीथीन बैग व कोरोगेटेड बाक्स में ले जाने की व्यवस्था स्वयं करें। जौनपुर जिले के सभी आम उत्पादक और नर्सरी मालिक जो इस प्रतिष्ठित महोत्सव मे अपनी भागीदारी सुनिश्चित करना चाहते है, और अपनी गुणवत्तायुक्त पौध रोपण सामग्री (विशेषकर आम की विभिन्न किस्मों) का प्रदर्शन करना चाहते है।प्रतिभाग कर सकते है आम महोत्सव में आम एवं आम के संरक्षित उत्पाद के प्रदर्श लगाने एवं प्रतिभाग करने हेतु इच्छुक कृषक 01 जुलाई 2025 तक प्रदर्श के विवरण सहित जिला उद्यान अधिकारी कार्यालय जौनपुर में सम्पर्क कर सकते है।

खौलते तेल की कढ़ाई में गिरकर वृद्ध गंभीर रूप से जला

सुशील कुमार गुप्ता

सरायख्वाजा,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के सैदपुर गरौढ़ गांव निवासी नाथूराम यादव 54 वर्ष पुत्र स्व. झीनझु यादव जो सिद्दीकपुर बाजार में सौरभ चाइनीज कार्नर सृष्टि स्वीट हाउस के नाम से दुकान चलाते हैं। शुक्रवार की शाम किसी काम से गए हुए थे उसी बीच दुकान के बाहर कढ़ाई में तेल गर्म था और असावधानी होने के कारण पैर फिसल गया जिसकी वजह से खौलते हुए तेल की कढ़ाई पर जाकर गिर पड़े। जिसके कारण बुरी तरह तेल से जल गए। परिजनों ने उन्हें तुरंत जिला अस्पताल पहुंचा कर भर्ती करवाया। फिलहाल जिला अस्पताल में उपचार चल रहा है।

नौपेड़वा बाजार में चोरों का आतंक, दिनदहाड़े स्प्लेंडर बाइक पार, घटना सीसीटीवी में कैद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बक्सा थाना क्षेत्र के नौपेडवा में अपराधियों के हौसले इस कदर बुलंद हैं कि अब चोरी की घटनाएं दिनदहाड़े खुलेआम होने लगी हैं। ताजा मामला नौपेडवा बाजार का है, जहां 27 जून 2025 की दोपहर लगभग 12 बजे एक स्प्लेंडर बाइक को चोर सरेआम लेकर फरार हो गए। पूरी वारदात बाजार में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है।मिली जानकारी के अनुसार पीड़ित व्यक्ति अपनी बाइक खड़ी कर सहज जन सेवा केंद्र में कुछ जरूरी कार्य निपटाने गया था। जब वह थोड़ी देर बाद बाहर निकला, तो देखा कि उसकी बाइक वहां से गायब थी। आनन-फानन में आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे की जांच की गई, जिसमें चोर की करतूत साफ तौर पर कैद मिली।फुटेज में देखा जा सकता है कि आरोपी बिना किसी डर या हड़बड़ाहट के बेहद आराम से बाइक स्टार्ट कर मौके से फरार हो जाता है। घटना के बाद स्थानीय लोगों में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों व व्यापारियों ने पुलिस प्रशासन से बाजार क्षेत्र में गश्त बढ़ाने और जल्द से जल्द चोर की गिरफ्तारी की मांग की है। वहीं पुलिस मामले की जांच में जुट गई है और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चोर की पहचान की जा रही है।

अतुल्य भारत सर्व समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष का मनाया गया जन्मदिवस

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। एम एस डी ग्रुप ऑफ कॉलेज, एस के मिश्रा अनीता आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज सहित दर्जनों उच्च शिक्षा संस्थानों के चेयरमैन/प्रबंधक, अतुल्य भारत सर्व समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष, ब्राह्मण समाज के प्रदेश अध्यक्ष, पूर्व प्रत्याशी विधान सभा जफराबाद व लोक सभा जौनपुर के प्रभारी डॉ सन्तोष कुमार मिश्रा राजा साहब निवासी ग्राम खरैला आजमगढ़ का 48 वा जन्म दिवस को शांति पर्व के रूप में मनाया गया। सुबह से ही राजा साहब के आवास पर जन्म दिवस की शुभ कामना एवं बधाई देने वाले की ताता लगा रहा।जिसमें क्षेत्र और गांव, जिला और विधान सभा जफराबाद के लोगों ने राजा साहब से मिलकर बधाई और शुभ कामना दिए। अवधेश शर्मा एडवोकेट नाई समाज के अध्यक्ष ने इस अवसर पर राजा साहब को अंग वस्त्रम भेंट कर और माला पहना कर जन्म दिवस की शुभ कामना दिया। उसके बाद महाराज चिथरु सभागार में राजा साहब ने सर्व प्रथम अपने माता पिता राजमाता सुमित्रा देवी व महाराज पंडित त्रिपुरारी मिश्रा के प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर दीप प्रज्वलित करते हुए नमन कर आशीर्वाद प्राप्त किए। सभागार में उपस्थित उनके शुभ चिंतकों और कर्मचारियों ने सामूहिक रूप से राजा साहब को फूलो की एक विशाल माला पहना कर स्वागत किया गया । और सभी लोगों ने पारी पारी से उन्हें प्रणाम करते हुए जन्म दिवस की बधाई और शुभ कामना दिए। सभी को संबोधन करते हुए राजा साहब ने कहा कि यह जन्म दिवस शान्ति पर्व के रूप में मनाया जा रहा है क्योंकि मेरे माता पिता अब नहीं है और मैंने संकल्प लिया है कि जब तक उनकी मूर्ति स्थापित नही होती है तब तक मैं कोई भी उत्साह और समारोह में भाग नहीं लूंगा। लेकिन आप लोगों के अत्यन्त प्रेम और निवेदन पर आज मैं अपने जन्म दिवस को शांति मय तरीके से मनाए जाने पर यहां पर उपस्थित लोगों को क्षेत्र वासी, प्रदेश वासी को मेरे तरफ से बहुत बहुत धन्यवाद और आभार। मैने सर्व समाज के हित में और ब्राह्मण समाज के उत्थान के लिए अतुल्य भारत सर्व समाज पार्टी बनाया है जो संगठित हो कर सक्रिय रूप से काम कर रहा है। आगामी विधानसभा चुनाव में पार्टी द्वारा 21 सीटों पर प्रत्याशी खड़ा कर चुनाव लड़ाया जायेगा।और यह पार्टी गठबंधन के लिए भी तैयार है। गठबंधन द्वारा सरकार बनाने में भी यह अहम भूमिका निभायेगी। जो लोग मेरे निति रीति में भरोसा रखते है वे मेरे साथ पार्टी को बढ़ाने में सहयोग करे। जो लोग पार्टी के साथ गद्दारी करेंगे तो एक दिन उनके संतान उसके साथ गद्दारी करेगा। और जो पार्टी के उत्थान में कार्य करेगा तो उसका भविष्य उज्ज्वल होगा। उसका सामाजिक व राजनीतिक पहचान बढ़ेगा। इस अवसर पर श्रवण कुमार चित्रकार ने अपने रक्त से स्क्रैच किया हुआ राजा साहब का तस्वीर उन्हें भेंट किया। राजा साहब ने केक काटा और उसके बाद मिष्ठान वितरण किया गया। कार्यक्रम का संचालन विंध्यवासिनी तिवारी ने किया। कार्यक्रम में रविन्द्र कुमार मिश्रा, राहुल कुमार त्रिपाठी, उत्कर्ष मिश्रा, आदर्श मिश्रा, संतोष पाण्डेय, रविकांत तिवारी, कमलजीत यादव, पप्पू राय, यश राज उर्फ. अनिल यादव, राज भारद्वाज, जयहिंद यादव, विराट मिश्रा, अम्बे मिश्रा, सौरभ तिवारी, जैकी मिश्रा , दीक्षा राय, चिंटू राय, गोलू दुबे, राहुल दुबे आदि तमाम लोग मौजूद रहे।

आरएसएस प्रमुख दत्तात्रेय होसबोले के बयान पर कांग्रेसी हुए आंदोलित

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शहर अध्यक्ष अमन सिन्हा के नेतृत्व मे कार्यकताओं ने पुतला फूक विरोध किया दर्ज 26 जून को आपातकाल को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधते हुए दत्तात्रेय होसबोले ने संविधान की प्रस्तावना में आने वाले 'समाजवादी' और 'धर्मनिरपेक्ष' शब्दों की समीक्षा करने की मांग की थी। उन्होंने कहा, बाबासाहेब अंबेडकर ने संविधान की प्रस्तावना में इन शब्दों का कभी इस्तेमाल नहीं किया था। ये शब्द आपातकाल के दौरान जोड़े गए थे।जब मौलिक अधिकार रद्द कर दिए गए थे। संसद काम नहीं कर रही थी और न्यायपालिका लंगड़ी हो गई थी। होसबोले ने आगे कहा कि बाद में इन सब पर चर्चा हुई लेकिन प्रस्तावना से दो शब्दों को हटाने का कोई प्रयास नहीं किया गया। ऐसे में उन्हें प्रस्तावना में रहना चाहिए या नहीं, इस पर विचार किया जाना चाहिए। इस अवसर पर अमन सिन्हा ने कहा कि आरएसएस का नकाब उतर गया है। समानता, धर्म निरपेक्षता और न्याय की बात करने वाला संविधान आरएसएस को चुभता है। उन्हें मनुस्मृति चाहिए और वह बहुजनों और गरीबों को फिर से गुलाम बनाकर रखना चाहते हैं। इस अवसर पर एनएसयूआई उपाध्यक्ष रोहित पाण्डेय, कार्तिकेय चतुर्वेदी, विक्की सिंह, एनएसयूआई महासचिव शुशांत पाण्डेय, कृष्णा पंडित, अखिलेश श्रीवास्तव, विशाल बिन्द, सिद्धार्थ श्रीवास्तव, आयुष मौर्या एवं आदि मौजूद रहे।

भूमिधरी जमीन में ग्राम प्रधान पति व लेखपाल द्वारा जबरन लगाया गया खड़ंजा

रियाजुल हक

मुफ्तीगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। स्थानीय ब्लाक के ग्राम पंचायत घुरहूपुर के राजस्व गांव कटका में लेखपाल विकास गौतम द्वारा जबरन लगा दिया गया तथा रामबचन मौर्य हरदेव मौर्य व राम अकबाल मौर्य के खेत में जबरन खड़ंजा लगाने का लगाई।जिसको संज्ञान में लेते हुए मुख्य विकास अधिकारी ने बी डी ओ मुफ्तीगंज अस्मिता सेन को मौके पे जाकर सत्यापन के लिए निर्देशित किया। मुख्य विकास अधिकारी के निर्देश पर बी डी ओ ने मौके पर जाकर निरीक्षण किया निरीक्षण में ग्रामीणों का आरोप सही पाए जाने पर उक्त खड़ंजे के निर्माण पर रोक लगा दिया है।

इस मामले में पूछे जाने पर बी डी ओ ने बताया कि ग्राम प्रधान पति परिषदीय विद्यालय में अध्यापक भी जांच के दौरान प्रधान पति और लेखपाल की दबंगई भी सामने आई है और उक्त खड़ंजे के निर्माण का मास्टर रोल कैंसिल कर दिया गया है ।खड़ंजे के निर्माण के भुक्तान को पंचायत निधि या मनरेगा के माध्यम से रोक लगा दी गई है।

गांव निवासी प्रमोद मिश्रा राकेश मिश्रा कल्पनाथ राम गौरीशंकर चौरसिया व तौहीद की भूमिधरी जमीन में मानक से अधिक चौड़ा खड़ंजा ग्राम प्रधान पति प्यारे लाल व प्रयास किया जा रहा है। ग्रामीणों द्वारा उपजिलाधिकारी केराकत से लगाय मुख्यविकासधिकारी से उक्त खड़ंजे को राजस्व अभिलेख में दर्ज चौड़ाई के अनुरूप लगाने की गुहार

मनरेगा योजना में हो रहे भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने में नाकामयाब संबंधित अधिकारी

सुजानगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। क्षेत्र में मनरेगा योजना के तहत हो रहे कार्य में अनियमियता का भंडार सुजानगंज ब्लॉक में देखने को मिल रहा है।सुजानगंज ब्लॉक में व्याप्त भ्रष्टाचार को लेकर कई कर्मचारी निलंबित भी हुए हैं इन सब के बावजूद भ्रष्टाचार रुकने का नाम नहीं ले रहा है। गांव में हो रहे कार्यों पर लगे मजदूरों की संख्या देखने पर फोटो सहित 5अथवा 10 दिखेंगे पर हाजिरी 100 के ऊपर की होती है। यही नहीं शुक्रवार के दिन सुबह की आनलाइन हाजिरी 15 गांव में विकास कार्य हेतु मजदूर लगे हैं वहीं शाम को 37 गांवो में कार्य हुआ है ऐसा आनलाइन हाजिरी बता रहा कुछ दिन पूर्व बारा गांव में भ्रष्टाचार के नाम पर जांच किया गया पर कोई निष्कर्ष निकला नहीं।तथा राजस्व गांव दहेव के प्रधान, सचिव जेई के मिली भगत से 26 जून को मजदूर दो हाजिरी दश की लगी है तथा गांव के ही निवासी रामदेव गौतम पुत्र मेडई के खेत का समतलीकरण के नाम पर लाखों रुपए निकाल लिए गये। जिसका भी जांच हुआ पर जांच अधिकारी किसी निर्णय पर नहीं पहुंच सके। नरेगा में हो रहे भ्रष्टाचार पर खंड विकास अधिकारी के साथ-साथ उच्च अधिकारी क्यों नहीं संज्ञान ले रहे हैं। गांव में

सचिव व जेई की मीलिभगत से नरेगा भ्रष्टाचार पर नहीं लग रहा अंकुश, मजदूर दो हाजिरी दस

विकास हो नहीं रहा हाजीरी सैकड़ो की संख्या में मजदूरो की लग रही सचिव के पास इतना समय नहीं कि हो रहे विकास कार्यों की देख रेख कर सके तथा जेई साहब ऐक जगह बैठकर एमबी बना दे रहे हैं। मनरेगा के तहत दोनों मीटिंग हाजिरी लगने वाला एक मीटिंग क्यों लग रही किसी अधिकारी के पास इतना समय नहीं पूछ सके फोटो ऐसे लगाया जाता है कि चेहरा पहचान में आये ही नहीं कि कभी जांच पड़ताल होने पर मजदूरों से पूछ ताछ हो सके।अवधेश मौर्य के साथ कई क्षेत्रीय गणमान्य लोगों ने मांग करते हुए कहा उच्च अधिकारी सरकार द्वारा चलाई गई नरेगा योजना का ग्रामीणों को लाभ मिलने की जगह ग्राम प्रधान, सचिव एवं जेई की जेब भरने का कार्य हो रहा है। ऐसे कार्यों पर रोक लगनी चाहिए।नरेगा योजना के तहत हो रहे कार्यों की जिस प्रकार लूट खसोट हो रही है।अगर उच्च अधिकारियों द्वारा सच्चाई पूर्वक जांच किया गया तो भ्रष्टाचार के नाम पर सुजानगंज ब्लाक जिले में पथम स्थान प्राप्त होगा। गांव के विकास कार्यों की ऑनलाइन हाजिरी दो मीटिंग लगनी चाहिए एक मीटिंग लग रही है।पूछे जाने पर खंड विकास अधिकारी राकेश मिश्रा ने बताया हमें पूरी तरह से जानकारी नहीं तथा आनलाइन हाजिरी में फोटो के चेहरे 5 अथवा 10 दिखते है हाजिरी 100 के पार लग रही है पर बताये संबंधित अधिकारी को भेज कर उसकी तुरंत जांच करवाएंगे तथा इससे जुड़े भ्रष्टाचारी लोगों के ऊपर सख्त से सख्त कार्रवाई किये जायेंगे।

राजर्षि छत्रपति शाहू महाराज जयंती पर वसई में सैकड़ों सदस्यों ने शिवसेना पार्टी की सदस्यता ग्रहण की

वसई रोड। राजर्षि छत्रपति शाहू महाराज की जयंती के पावन अवसर पर एवर शाइन, वसई स्थित शिवसेना केंद्रीय कार्यालय में नवीन कदम के सहयोग से सैकड़ों लोगों ने शिवसेना की सदस्यता ग्रहण की। हिंदू हृदय सम्राट शिवसेना प्रमुख बालासाहेब ठाकरे के आशीर्वाद से प्रेरित, शिवसेना के प्रमुख नेता एवं महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, पालघर जिला संपर्क प्रमुख रविंद्र फाटक, तथा जिला प्रमुख नीलेश तेंदोलकर के मार्गदर्शन एवं सहयोग से यह कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस शुभ अवसर पर जिला संघटक श्रीमती शीतल कदम, उप जिला प्रमुख अनिल चव्हाण, विभाग प्रमुख अमर, महिला विभाग संगठक अनीता पानेकर, प्रदीप कनोजिया सहित अनेक शिवसैनिक कार्यकर्ता उपस्थित थे। साथ ही, वसई पूर्व के लिए नई पद नियुक्तियां भी घोषित की गईं। जिसमें सूरज वाघमोड़े विभागाध्यक्ष, करण शर्मा विभागाध्यक्ष, विनोद वानियार उप-विभागाध्यक्ष, अमन जाम्पिटिया शाखाध्यक्ष, समीर वाघमोड़े, शाखाध्यक्ष संकेश घाडी शामिल है। शिवसेना के इस संगठनात्मक विस्तार से पार्टी की मजबूती और जनसंपर्क को और बढ़ावा मिलेगा।

अपर्णा पाटिल का जन्मदिन वसई में धूमधाम से मनाया गया

वसई। भारतीय जनता पार्टी महाराष्ट्र प्रदेश की सचिव श्रीमती अपर्णा पाटिल का जन्मदिन वसई रोड चुना गांव स्थित रूबी हॉल में बड़ी ही धूमधाम और उत्साह के साथ मनाया गया। इस विशेष अवसर पर वसई विधायक स्नेहा दुबे पंडित मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं और उन्होंने अपर्णा पाटिल को दीघार्यु एवं स्वस्थ जीवन की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। इस समारोह में अनेक गणमान्य व्यक्तियों, पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। इनमें प्रमुख रूप से शेखर धुरी, भानुशाली दादा, साधना धुरी, फर्जान खान, बृजेंद्र सिंह, छोटू आनंद, महेश सरवनकर, कल्पेश पांडे, दुर्लभ पढ़ियार, तथा भाजपा वसई मंडल के सभी अध्यक्ष, वसई विधानसभा चुनाव अध्यक्ष मनोज पाटिल, सुरेश प्रजापति, मनोज शर्मा, लालजी कनोजिया, और कल्पेश चौहान सम्मिलित थे। सभी उपस्थित गणमान्यों एवं कार्यकताओं ने श्रीमती अपर्णा पाटिल को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं और उनके नेतृत्व में संगठन की निरंतर प्रगति की कामना की। समारोह के अंत में, श्रीमती अपर्णा पाटिल ने सभी अतिथियों, कार्यकताओं और शुभचिंतकों का हृदय से धन्यवाद व्यक्त किया और संगठनात्मक मजबूती के लिए सभी से एकजुट होकर कार्य करने का आह्वान किया।

पुलिस स्टेशन एवं ट्राफिक हवलदारों को रेनकोट वितरित

मुंबई। मुंबई की सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्था परोपकार की तरफ से मुंबई, भाइंदर व भिवंडी के पुलिस स्टेशनों और ट्रॉफिक हवलदारों में लगभग एक हजार रेनकोट का विवरण किया गया। यह वितरण बीस जून से अट्ठाईस जून 2025 के बीच इन पुलिस स्टेशनों में संस्था अध्यक्ष राम किशोर दरक और मंत्री विनय गोपीनाथ मिश्र की देखरेख में किया गया।जाकर किया गया। इस संक्षिप्त समारोह में एलटी मार्ग पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ नितिन तडखे सहित तमाम पुलिस कर्मी तथा संस्था के पदाधिकारी उपस्थित थे।

शौच के लिए गई युवती से छेड़छाड़,शोर मचाने पर जुटे ग्रामीणों ने एक को पकड़ा दूसरा फरार

गौराबादशाहपुर, जौनपुर(उत्तरशक्ति)। गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र की एक गांव में शनिवार की सुबह शौच के लिए गई युवती को उसी गांव निवासी दूसरे समुदाय के दो युवकों ने पकड़ कर छेड़छाड़ कर दिया। युवती द्वारा शोर मचाने पर पहुंचे स्वजन और ग्रामीणों ने एक आरोपी को पकड़ लिया जबकि दूसरा मौके से फरार हो गया। दो समुदायों के बीच का मामला होने से गांव में तनाव की भी आशंका बनी हुई है। आरोप है कि अनुसूचित जाति की उक्त युवती रविवार की सुबह शौच के लिए खेतों की तरफ गई थी। तभी वहां दूसरे समुदाय के दो युवक पहुंच गए तथा युवती से छेड़छाड़ करने लगे। घबराई युवती द्वारा शोर मचाने पर पहुंचे स्वजन तथा ग्रामीणों ने भाग रहे आरोपितों में से एक को पकड़ लिया जबकि दूसरा आरोपित फरार हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने पकड़े गए आरोपित को हिरासत में ले दिया । युवती के पिता द्वारा दी गई तहरीर के आधार पर पुलिस छानबीन में लगी हुई है। दो समुदायों के बीच का मामला होने की वजह से गांव में तनाव की भी आशंका बनी हुई है। घटना के संदर्भ में पूछे जाने पर थाना अध्यक्ष फूलचंद पांडेय ने बताया कि तहरीर के आधार पर जांच पड़ताल की जा रही है आरोपित युवक से भी पूछताछ की जा रही है मुकदमा दर्ज कर आवश्यक कार्यवाही की जाएगी।

नगर पंचायत बोर्ड की बैठक में ईओ के कुर्सी पर बैठी रही छोटी बच्ची

गौराबादशाहपुर, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगर पंचायत गौराबादशाहपुर की बोर्ड की बैठक में अध्यक्ष के बगल में लगी ईओ की कुर्सी पर एक छोटी बच्ची के पूरी बैठक में बैठने का फोटो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया। शनिवार को नगर पंचायत गौराबादशाहपुर की बोर्ड की बैठक आहूत की गई थी बैठक में नगर पंचायत की अध्यक्ष सीतामनी एवं उनके ठीक बगल की ईओ की कुर्सी पर एक छोटी सी बच्ची बैठ गई जो कि पूरे बोर्ड की बैठक में बैठी रही, ईओ शशिकांत तिवारी के लिए अलग से कुर्सी लगाई गई। इसी दौरान किसी ने फोटो लेकर इसका सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। लोगो मे यह भी चर्चा होती रही कि बोर्ड की बैठक अहम बैठक मानी जाती है और इस बैठक में छोटी बच्ची का बैठना परे से परे है। इस बारे में पूछे जाने पर नगर पंचायत अध्यक्ष सीतामनी ने बताया कि यह छोटी बच्ची एक सभासद की थी जो जिद कर के ईओ की कुर्सी पर बैठ गयी। हालांकि आगे से ध्यान दिया जाएगा।

कम उम्र में क्यों बढ़ रहा हार्ट अटैक का खतरा शेफाली जरीवाला की हार्ट अटैक से हुई मृत्यु पर उठ रहे सवाल

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। कांटा लगा फेम एक्ट्रेस शेफाली जरीवाला की महज 42 वर्ष की उम्र में हुई मौत ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। बताया जा रहा है कि शेफाली जरीवाला की मौत कार्डियक अरेस्ट के कारण हुई है। एक रिपोर्ट के अनुसार कोरोना के बाद कार्डियक अरेस्ट से होने वाली मौत की अप्रत्याशित संख्या ने लोगों को चिंतित कर दिया है। बॉलीवुड में भी कई सितारों की कम उम्र में कार्डियक अरेस्ट से मृत्यु हो चुकी है।

बातचीत में गैलेक्सी हॉस्पिटल महमूरगंज वाराणसी और स्पंदन हार्ट केयर सिगरा वाराणसी के लब्ध प्रतिष्ठित कार्डियोलॉजिस्ट डॉक्टर विवेकानंद गुप्ता बताते हैं कि कार्डियक अरेस्ट में अचानक दिल की धड़कनें रुक जाती हैं जिससे मरीज बेहोश हो सकता है, ऐसे में

हमारा दिल शरीर को खून पंप करना बंद कर देता है। डॉक्टर विवेकानंद गुप्ता के मुताबिक कार्डियक अरेस्ट एक मेडिकल इमरजेंसी है, समय पर मेडिकल सुविधा न मिल पाने पर कुछ मरीजों की अस?पताल पहुंचने से पहले ही मौत हो जाती है। पूछे गए एक सवाल के जवाब में डॉक्टर विवेकानंद गुप्ता बताते हैं अगर शुरूआत के तीन से पांच मिनट में सीपीआर और डिफिब्रिलेटर का इस?तेमाल कर लिया जाए, तो मरीज को बचाया जा सकता है।हालांकि दिल का दौरा किसी भी उम्र में हो सकता है।लेकिन जैसे-जैसे उम्र बढ़ती है, हार्ट अटैक को लेकर जोखिम बढ़ता जाता है। दिल का दौरा, तब होता है जब हृदय में रक्त का प्रवाह आंशिक या पूरी तरह से रुक जाता है।जब हृदय को जरूरत के मुताबिक खून और ऑक्सीजन नहीं मिल पाता है, तो वह ठीक से पंप नहीं कर पाता है। दिल जितना अधिक समय तक पर्याप्त रक्त और ऑक्सीजन के बिना रहता है, उसकी मांसपेशियों को उतना ही अधिक नुकसान होता है। डॉक्टर विवेकानंद गुप्ता बताते हैं कि सीने में दर्द या सीने में बेचैनी की भावना, सांस लेने में तकलीफ, हाथ, गर्दन, कंधे या जबड़े में दर्द, पसीना आना, चक्कर आना, थकान, पीठ के ऊपरी हिस्से में दर्द, आंखों के आगे अंधेरा छा जाना आदि लक्षण हार्ट अटैक के हो सकते हैं। कोलेस्ट्रॉल पर नियंत्रण रखकर दिल के दौरे से बचा जा सकता है । हाई ब्लड प्रेशर , निरंतर तनाव में रहना आदि भी हृदयजनित समस्याओं को पैदा करने में अहम भूमिका निभाते हैं। डॉक्टर विवेकानंद गुप्ता बताते हैं कि किसी व्यक्ति को भले ही हृदय संबंधी कोई समस्या न दिखाई पड़ती हो ,या हृदय रोग का कोई पारिवारिक इतिहास न हो, फिर भी कार्डियोलॉजी जांच करवा लेने से हार्ट की स्थिति स्पष्ट हो जाती है। डॉक्टर विवेकानंद गुप्ता के मुताबिक नियमित व्यायाम, स्वस्थ आहार, तनाव रहित जीवन, नमक और चीनी का कम सेवन तथा 7 से 8 घंटे की नींद लेकर हृदय संबंधी होने वाली परेशानियों से बचा जा सकता है।

जिला बनाने में संघर्ष समिति को कांग्रेस ने दिया साथ, सीएम से मिलेगा डेलिगेशन

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार सिवान जिला के अतर्गत महाराजगंज को जिला बनाने की मांग चिर परिचित है। जिला बनाओ संघर्ष समिति एक तरफ महाराजगंज को जिला बनाने के लिए कई बार धरना प्रदर्शन किया विधायक व मंत्री से भी गुहार लगाई.। अब महाराजगंज को जिला बनाने में कांग्रेस पार्टी भी सक्रिय हो गई है।

ज्यों ज्यों चुनाव नजदीक आ रहा है. सभी दल के नेता महाराजगंज को जिला बनाने के लिए सक्रिय हो रहे हैं। इसी प्रयास में बिहार प्रदेश कांग्रेस भी शामिल हो गई है। महाराजगंज जिला बनाओ संघर्ष समिति के द्वारा दिए गए पत्र और अन्य कागजात को जब महाराजगंज प्रखंड के ग्राम शकरा निवासी यशवंत कुमार चमन उपाध्यक्ष बिहार प्रदेश कांग्रेस विधि प्रकोष्ठ ने बिहार प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश कुमार राम को महाराजगंज के जिला बनाने की मांग की सारिका जाट प्रदेश अध्यक्ष को दिखाया. कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम ने तत्काल अपने तरफ से एक पत्र बिहार के मुख्यमन्त्री नीतिश कुमार को पत्र लिखा ।

पत्र में कहा है कि जब महाराजगंज जिला बनाने की शर्तें पूरा करता है तो महाराजगंज को जिला बनाने के समर्थन में कांग्रेस पार्टी भी शामिल है .उन्होंने सीएम से मिलने हेतु समय भी मांगा है। इसकी जानकारी बिहार प्रदेश विधि प्रकोष्ठ के उपाध्यक्ष अधिवक्ता यशवंत कुमार चमन ने दी।

पीएनबी ने व्यापक डिजिटल और पारंपरिक ऋण समाधानों के साथ एमएसएमई पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत किया

मुंबई। भारत के अग्रणी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक, पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) ने भारत के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र के लिए प्रमुख वित्तीय भागीदार/पार्टनर के रूप में अपनी स्थिति को और सुदृढ़ किया है। एमएसएमई को भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ़ के रूप में मान्यता देते हुए, पीएनबी ने रणनीतिक रूप से एक व्यापक एमएसएमई बैंकिंग पारिस्थितिकी तंत्र विकसित किया है जो पारंपरिक संबंध बैंकिंग के साथ अत्याधुनिक डिजिटल समाधानों को जोड़ता है, जो प्रत्येक उद्यमी के सपने के लिए सुलभ ऋण सुनिश्चित करता है। इस अवसर पर अपने व्याख्यान में, पीएनबी के एमडी और सीईओ श्री अशोक चंद्र ने कहा कि इस अंतर्राष्ट्रीय एमएसएमई दिवस, 27 जून, 2025 को, मैं आपको यह बताना चाहता हूँ कि सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम हमारी अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। एमएसएमई नवाचार, रोजगार सृजन और सामुदायिक विकास की रीढ़ हैं, और इसके एक विश्वसनीय बैंकिंग पार्टनर के रूप में, इसकी सफलता को उड़ान देना हमारी नैतिक जिम्मेदारी है।₹ ग्राहक अपनी निकटतम पीएनबी शाखा में जाकर, पीएनबी वन ऐप का उपयोग करके या बैंक की समर्पित हेल्पलाइन पर संपर्क करके भी इन विशेष पेशकशों की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

लापरवाही : वाराणसी में ऊर्जा मंत्री की मौजूदगी में भी आती-जाती रही बिजली

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद में प्रदेश के ऊर्जा मंत्री एके शर्मा की ओर से अधिकारियों संग बैठक में हमेशा बेहतर बिजली आपूर्ति देने, समय से फाल्ट दूर करने के निर्देश दिए जा रहे हैं।लेकिन इसका असर नहीं दिख रहा है। पिछले तीन दिन से जिले में कटौती के साथ ही ट्रांसफार्मर जलने की घटनाएं हो रही हैं। बुधवार को ऊर्जा मंत्री एके शर्मा जिले में थे। इसके बाद भी शहर से लेकर गांव तक बिजली की आवाजाही जारी रही।पिछले तीन-चार दिन से बिजली आपूर्ति की व्यवस्था लड़खड़ा गई है। फाल्ट दूर होने में लोगों को घंटों इंतजार करना पड़ रहा है। बुधवार को सुबह करीब 6 बजे से भिटारी इलाके में बिजली गुल हो गई और एक घंटे बाद आई। उधर भिखारीपुर में दोपहर 1.30 बजे

बिजली गुल हो गई। लोगों ने उपकेंद्र पर फोन किया तो सही जानकारी मिल नहीं सकी। कुछ देर बाद पता चला कि पीडब्ल्यूडी की ओर से सड़क निर्माण के काम की वजह से कटौती की गई है। करीब घंटे भर बाद दोपहर 2.30 बजे आपूर्ति बहाल हुई। बिलबिलाए लोग उधर, सारनाथ इलाके के सथवां फीडर से शाम 4 बजे बिजली कट गई। इस वजह से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। शाम करीब 7 बजे किसी तरह आपूर्ति बहाल तो हो गई, लेकिन बिजली के आने जाने का सिलसिला जारी रहा। अधिशासी अभियंता ने बताया कि बारिश के वजह से ब्रेक डाउन हो गया था। पेट्रोलिंग करा कर फॉल्ट को दुरुस्त कर के बिजली बहाल कर दी गई।

उधर शाम 5 बजे नेवादा उपकेंद्र से निकलने वाली मेन सप्लाई ब्रेकडाउन के कारण बिजली कट गई। इस उपकेंद्र से आपूर्ति वाले नेवादा, रामनगर, कोर्रा आदि गांवों में अंधेरा छा गया। कुछ लोगों के पास इन्वर्टर भी था लेकिन वह भी दो से तीन घंटे बाद जवाब दे गया। दो महीने में चार बार जला ट्रांसफार्मर चोलापुर के गोला यादव बस्ती में जलाट्रांसफार्मर नहीं बदलने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। यहां 10 केवीए का लगा ट्रांसफॉर्मर दो महीने में चार बार जल गया। इस वजह से अधिकांश घरों में एक हफ्ते से अंधेरा है। ग्रामीणों ने बिजली निगम के अधिकारियों से जल्द से जल्द ट्रांसफार्मर के बदले जाने की मांग की है।

विधायक ने चार करोड़ 60 लाख रुपए के कार्य क्रियान्वयन हेतु नगर विकास को भेजा प्रस्ताव

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार सिवान जिला के अतर्गत महाराजगंज स्थानीय विधानसभा क्षेत्र की विधायक विजय शंकर दुबे ने महाराजगंज नगर पंचायत के विकास हेतु मुख्यमंत्री समग्र शहरी विकास योजना की द्वितीय चरण अंतर्गत 4 करोड़ 60 लाख लागत की योजनाओं की अनुशंसा की है। विधायक ने कहा कि मुख्यमंत्री समग्र शहरी विकास योजना की हेतु वित्तीय वर्ष 2025 26 के लिए नगर पंचायत महाराजगंज से आवश्यक योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु योजनाओं की अनुशंसा मेरे द्वारा की गई है।

कौन-कौन हैं योजनाएं: वार्ड संख्या 1 व 2 में केशव चंद्र सिंह कि घर के सामने से शिवकुमार सिंह के दुकान तक आरसीसी नाला का निर्माण कार्य, वार्ड संख्या एक वह दो में दूधी टोला प्रभु जी के मकान से ए एन यू एस महिला कॉलेज महाराजगंज होते हुए धन छुआ बीच सड़क तक पीएससी सड़क आरसीसी नाला व कलवर्ट के साथ निर्माण कार्य।, वार्ड संख्या-10 में केदार यादव के घर से (नगर पुल से लेकर) सरकारी तलाब छठ घाट तक पी. सी.सी. सड़क का निर्माण कार्य।, वार्ड संख्या-11 में पसनौली सागर नटवा बगीचा से धनछुहा पीच सड़क तक पी.सी.सी. सड़क का निर्माण कार्य। वार्ड संख्या-03 में अवस्थित इण्डोर स्टेडियम का सौन्दर्याकरण एवं जीर्णोद्वार कार्य।, वार्ड संख्या 02 में अवस्थित शहीद फुलेना प्रसाद स्मारक का सौन्दर्याकरण एवं जीर्णोद्वार कार्य। वार्ड संख्या-07 में अवस्थित अनुमण्डल कार्यालय महाराजगंज परिसर में डीलक्स शौचालय का निर्माण कार्य।

छत्रपति शाहू जी महाराज की जयंती पर शोभा यात्रा निकाली गयी

कानपुर। सामाजिक न्याय और समानता के प्रणेता राजर्षि छत्रपति शाहू जी महाराज की जयंती के अवसर पर भव्य वाहन शोभायात्रा को पटेल चौक बर्रा चौराहे पर मुख्य अतिथि कानपुर इंडस्ट्रियल कोऑपरेटिव के चेयरमैन विजय कपूर ने हरी झंडी दिखा कर रवाना किया। शोभा यात्रा का आयोजन अखिल भारतीय कुर्मी क्षत्रिय महासभा कानपुर की अगुवाई में किया गया।

शोभा यात्रा के विश्वविद्यालय परिसर में पहुंचने के बाद छत्रपति शाहू जी महाराज की आदमकद मूर्ति पर भव्य माल्यार्पण एवं पुस्तक विमोचन कार्यक्रम संपन्न हुआ। यहां मुख्य अतिथि पूर्व सांसद राजा राम पाल एवं पूर्व प्रशासनिक अधिकारी कमलेश कटियार ने शाहू के जीवन और सामाजिक उन्नयन के कार्यों पर प्रकाश डाला। इस मौके पर शिवा जी विश्वविद्यालय कोल्हापुर महाराष्ट्र की पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ पद्मा पाटिल द्वारा शाहू जी महाराज के जीवन पर लिखी गई पुस्तक ₹ऋतु आए, फल होए₹ का विमोचन किया गया। कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष प्रदीप कटियार के साथ डॉ अनिल कटियार, कैलाश उमराव, जे एन कटियार, शैलेन्द्र पटेल, फूल चन्द्र उमराव काका, शशिकांत सचान, पावेन्द्र पटेल, क्रांति कुमार कटियार, श्रीमती सुमन कटियार, गीता पटेल, प्रो वी एन पाल, पवन कुमार वर्मा, इंजीनियर अतुल सचान, प्रभात सिंह वर्मा, सोहित कटियार, मो अकरम अंसारी, डॉ यशवंत कटियार, क्षेदा लाल शास्त्री, मनोज कटियार, नरेंद्र नाथ उमराव, जितेंद्र सचान, नीरजा कटियार, सविता उत्तम, ममता सचान, प्रीति पटेल, रश्मि सचान, अभिषेक कटियार, मोहित सचान, सुरेश सचान, राजेन्द्र सिंह विद्यार्थी,अरविंद उमराव, सुनील कटियार, राजेश आजाद, संदीप उत्तम, अंशुल पटेल, राम आसरे कटियार सागर, बेनी सचान, राजेन्द्र वर्मा, सुरेंद्र सचान सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

सासमीरा स्वास्थ्य केंद्र द्वारा मानसून प्रशिक्षण शिविर संपन्न

मुंबई। बृहन्मुंबई महानगरपालिका पालिका जी-दक्षिण विभाग के सासमीरा स्वास्थ्य केंद्र,मुंबई की सहायक स्वास्थ्य अधिकारी डॉ मधुरा बागले ने कर्मचारियों के साथ मानसून द्वारा होने वाले बिमारियों से संबंधित जानकारी हेतु प्रशिक्षण मिटिंग रखा। जिसमें मानसून से संबंधित बिमारियों जैसे मलेरिया,डेंगू,फाइलेरिया जैसी घातक बिमारियों से नगरवासियों एवं रहवासियों को सावधान,सुरक्षित एवं स्वस्थ्य रखा जा सके उससे संदर्भित उपाय योजना बनाकर आगे बढ़ा जा सके।मानसून संबंधी बीमारियों से जागरूक रहने के लिए अपने-अपने पाकेट एरिया और आपसी तालमेल को बना कर कार्य करने का परामर्श एवं दिशा निर्देश जी दक्षिण स्वास्थ्य चिकित्सा अधिकारी डॉ विरेन्द्र मोहिते ने दिया।उक्त मिटिंग में डॉ मधुरा बागले सहित मंच पर सं.नि.

निरीक्षक सुनील मोरे,कीटक नियंत्रण समन्वयक विजय रावराणे, समन्वयक रोहिदास भोजने, अन्वेषक विनय कुमार शर्मा,अमित कुमार शिंदे,रवि पाटील उपस्थित थे। सहायक कर्मचारियों में लता परदेशी,माया केदार एएनएम,मारुति पाटील कोऑर्डिनेटर,प्रियंका कदम एएनएम, माया टेकाले, पूजा गव्हाणे, सीएचवी श्रेया मोरे, सुमन बोडके, कल्पना तायडे,मनाली मोरे,सुब्रता पवार, सुरेखा कोकरे,वैशाली पाटील,अनिता कांबले, जयश्री वाघोतकर ,निर्मला जायसवाल, जयश्री चौहान ,प्रतिभा गोंधलेकर, दर्शना शिवशिवकर, प्रतीक्षा तांबे, वैशाली राजपुरकर,सपना कदम, आदिति तटकरे, उषा शिंदे, दीपिका मोरे, लक्ष्मी कुमारी, पूनम गुप्ता आदि उपस्थित थी।

काजी शमशुद्दीन जाफरी की मजार पर चादर पोशी कर मुल्क में अमन चैन के लिए मांगी गई दुआएं

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। गत वर्षों की भांति इस वर्ष भी आलीमे दीन हजरत मौलाना शमसुद्दीन की याद में उर्स ए शम्सी बड़े ही अकीदतके-साथ संपन्न हुआ। पहली मुहर्रम के मौके पर शनिवार को शहर में उर्से शम्शी अकीदत के साथ मनाया गया।

जिला कारागार के पीछे शेखपुर मोहल्ला स्थित काजी मोहम्मद शमसुद्दीन जाफरी की मजार पर चादर पोशी कर मुल्क में अमन चैन के लिए दुआएं मांगी गईं। मदरसा हनीफिया आलम खां से चादर लेकर अकीदतमंद शेखपुर स्थित काजी शमसुद्दीन अहमद जाफरी की मजार पर पहुंचे, जहां जौनपुर शहर के अलावा वाराणसी, गाजीपुर, आजमगढ़, प्रयागराज, सुल्तानपुर, अमेठी, श्रावस्ती समेत आसपास के कई जिलों से हजारों की संख्या में अकीदतमंद पहुंचे। अकीदतमंदो ने मजार पर चादर पोशी की। इससे पहले मदरसा हनीफिया के हजरत

मौलाना अलहाज मोहिउद्दीन अहमद हेसाम जाफरीकी तबियत अलिल होने के बाद भी कुल शरीफ व दुआ में शिरकत किए हजरत मौलाना मंजूर अहमद सुल्तानपुरी ने आपसी प्रेम सौहार्द का संदेश दिया। उन्होंने अपनी तकरीर में कहा कि हजरत मौलाना समसुद्दीन की किताब कानून ए शरियत जो पूरी दुनिया में पढ़ाई जाती है और शादी के वक्त उस किताब को बच्चियों को दिया जाता है। ताकि वह इस्लामी तौर तरीके से अपनी जिंदगी गुजर बसर कर सकें । उसके बाद हामिद रजा ने नातों का नजराना पेश किया । हजरत मौलाना मोहिउद्दीन अहमद एहशाम साहब के साहबजादे अहमद रजा जाफरी ने दुआ कराई बाद सलाम तबर्रुक का वितरण किया गया। जलालुद्दीन उसेदकी अच्छी सेहत की दुआ हुई इस मौके पर मौलाना कुद्दुस, मौलाना शरीफुलहक . मौलाना अहमद रजा जाफरी. मौलाना इश्तियाक, जफर शेरू.मौलाना कयामुद्दीन, मौलाना साबिर, मौलाना फुजैल,शकील मंसूरी . अतीक . शहजादे आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में अहमद रजा जाफरी ने आये हुए लोगो का शुक्रिया अदा किया।